NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.I B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

लखनऊ से प्रकाशित

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

वर्ष: 15 अंक: 257 लखनऊ, रविवार 10 मई 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

शपथ लेते ही सुवेंदु अधिकारी का पहला ऐलान, वेस्ट बंगाल में जोरासांको से शुरु होगा मीशन बंगाल

एजेंसी।

कलकता। पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री अधिकारी ने कहा, यह दिन देश और पश्चिम बंगाल दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री की इच्छा थी कि रवींद्र जयंती पर नई सरकार का गठन हो। यही कारण है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में, रवींद्रनाथ गुरु को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। जोरासांको में मत्था टेकने के बाद मेरा कार्य शुरू होगा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने के बाद जोरासांको ठाकुरबाड़ी में मत्था टेकने के बाद मुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्य शुरू होगा। अधिकारी ने कहा कि यह दिन राज्य और देश दोनों के लिए महत्वपूर्ण है, और प्रधानमंत्री की इच्छा के अनुसार रवींद्र जयंती पर शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार पश्चिम बंगाल के पुनर्निर्माण पर ध्यान केंद्रित करेगी, और जोर देकर कहा कि राज्य को शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में भारी नुकसान हुआ है और इसे पुनर्जीवित करने की

आवश्यकता है। पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री अधिकारी ने कहा, यह दिन देश और पश्चिम बंगाल दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री की इच्छा थी कि रवींद्र जयंती पर नई सरकार का गठन हो। यही कारण है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में, रवींद्रनाथ गुरु को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। जोरासांको में मत्था टेकने के बाद मेरा कार्य शुरू होगा। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों से प्रेरित पार्टी को किसी प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है, और मुख्यमंत्री के रूप में वे राज्य के सभी लोगों के हैं। उन्होंने आगे कहा, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों पर आधारित राजनीतिक पार्टी को किसी प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है। मैं अब मुख्यमंत्री हूं, और मैं सबका हूं। जो लोग अभी भी परिणामों पर चर्चा कर रहे हैं, उन्हें विवेक से काम लेना चाहिए. .. बंगाल को बहुत नुकसान हुआ है। शिक्षा खो गई है, संस्कृति नष्ट हो गई है, और हम बंगाल का पुनर्निर्माण करेंगे। हमारे कंधों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी हैय उन्हें बोलने दीजिए, मैं तो बस आगे बढ़ता रहूंगा। आज अधिकारी ने राज्य के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जो पश्चिम बंगाल में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा और धर्मेंद्र प्रधान, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी उपस्थित थे।4 मई को अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के दो सबसे चर्चित निर्वाचन क्षेत्रों, भाबनीपुर और नंदीग्राम में अपनी मजबूत स्थिति स्थापित की और दोनों में जीत हासिल की। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भाजपा ने 207 सीटें जीती हैं, जबकि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 15 वर्षों तक राज्य पर शासन करने के बाद 80 सीटें हासिल की हैं।

योगी मंत्रिमंडल में 6 नए चेहरे, कल शाम शपथ ग्रहण! लखनऊमें सियासी पारा हाई

संवाददाता।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द हो सकता है, जिसमें सपा के बागी विधायकों पूजा पाल और मनोज पांडे समेत 6 नए चेहरों को मंत्री पद मिलने की संभावना है। इस सियासी हलचल को आगामी चुनावों से पहले जातीय समीकरण साधने की एक महत्वपूर्ण रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।उत्तर प्रदेश में कैबिनेट विस्तार की चर्चा अब तेज हो गई है। जानकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश में कल यानी की 10 मई को कैबिनेट का विस्तार हो सकता है। इसको लेकर आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात कर सकते हैं। जानकारी के मुताबिक 6 नए विधायकों को उत्तर प्रदेश में मंत्री बनाया जाएगा। इन नाम में सपा की बागी विधायक पूजा पाल और मनोज पांडे का भी नाम शामिल है। इसके अलावा कृष्णा पासवान भूपेंद्र चौधरी अशोक कटारिया और रोमी साहनी को भी कैबिनेट मंत्री बनाया जा सकता है। वर्तमान में देखी तो उत्तर प्रदेश में कुल 54 मंत्री हैं जबकि नियमों के अनुसार यह संख्या 60 तक हो सकती है। फिलहाल अगले साल होने वाले चुनाव को देखते हुए खाली 6 जगह को भरने की कोशिश हो रही है। इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले शुभेंदु अधिकारी को बधाई दी और उन्हें भगवा

अंगवस्त्र पहनाया। कोलकाता में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में बंगाल की पहली भाजपा सरकार का आज भव्य शपथ ग्रहण समारोह हुआ। इस अवसर पर आदित्यनाथ भी मौजूद थे। आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले शुभेंदु अधिकारी को बधाई दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं भी दीं। एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने अधिकारी को मंच पर भगवा अंगवस्त्र भी पहनाया। आदित्यनाथ ने मंत्री के रूप में शपथ लेने वाले दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक किर्तनिया, क्षुदीराम टुडू, निशीथ प्रमाणिक को भी बधाई दी।

सिर्फ भाजपा की ही नहीं, बल्कि भारत की जीत, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडणवीस ने बंगाल सरकार गठन पर शुभेंदु अधिकारी को बधाई दी

एजेंसी।

महाराष्ट्र। सुवेंदु अधिकारी ने आज राज्य के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जो पश्चिम बंगाल में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा और धर्मेंद्र प्रधान, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित थे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने पर सुवेंदु अधिकारी को बधाई दी और इसे राष्ट्र की जीत बताया। पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा, यह सिर्फ भाजपा की जीत नहीं, बल्कि भारत की भी जीत है। सुरक्षा की दृष्टि से पश्चिम बंगाल एक बहुत ही महत्वपूर्ण राज्य है। राज्य में सुवेंदु अधिकारी सरकार के गठन से हम सभी बहुत प्रसन्न हैं। मैं मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी और सभी नवगठित मंत्रिमंडल सदस्यों को बधाई देता हूं। सुवेंदु अधिकारी ने आज राज्य के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जो पश्चिम बंगाल में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा और धर्मेंद्र प्रधान, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित थे। भाजपा नेताओं ने शुक्रवार को सुवेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल में भाजपा विधायक दल का नेता नामित किए जाने पर बधाई दी। पार्टी की 2026 विधानसभा चुनावों में जीत के बाद सुवेंदु अधिकारी राज्य के अगले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए तैयार हैं। 4 मई को सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के दो सबसे चर्चित निर्वाचन क्षेत्रों, भाबनीपुर और नंदीग्राम में मजबूत स्थिति स्थापित करते हुए दोनों सीटों पर जीत हासिल की। भाबनीपुर में मतगणना के 20वें और अंतिम चरण के बाद भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के आंकड़ों के अनुसार, सुवेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 15,105 वोटों के भारी अंतर से हराया। साथ ही, उन्होंने नंदीग्राम विधानसभा सीट भी जीत ली। चुनाव आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रदर्शित आंकड़ों के अनुसार, 19वें और अंतिम चरण के समापन पर सुवेंदु अधिकारी को 1,27,301 वोट मिले।

पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा के घर ईडी की छापेमारी

पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा के घर ईडी की छापेमारी के बाद, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। केजरीवाल ने कहा कि सीबीआई और ईडी का इस्तेमाल विपक्षी दलों को तोड़ने और नेताओं को डरा–धमकाकर भाजपा में शामिल कराने के लिए किया जा रहा है, न कि भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग करके विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने और उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। मीडिया से बात करते हुए केजरीवाल ने कहा कि आज सुबह से पंजाब के मंत्री संजीव अरोरा के आवास पर ईडी की

छापेमारी जारी है। मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से हमने देखा है कि सीबीआई और ईडी भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग को रोकने के बजाय अन्य पार्टियों को तोड़ने और अन्य राजनीतिक नेताओं को धमकाकर उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए मजबूर करने का काम कर रही हैं।केजरीवाल ने आगे कहा कि ईडी की छापेमारी इसी दिशा में उठाया गया कदम है। प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को दिल्ली, गुरुग्राम और चंडीगढ़ में पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़े पांच ठिकानों पर तलाशी ली। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत चल रहे 100 करोड़ रुपये के कथित धन शोधन मामले के संबंध में की गई। इससे पहले शनिवार को केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की कई कार्रवाइयों के जरिए पंजाबियों को उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि ये ईडी की छापेमारी राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं और इनका मकसद गलत कामों को उजागर करने के बजाय दबाव डालना है।ग पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि बंगाल चुनाव समाप्त होते ही मोदी जी ने पंजाब में रोजाना ईडी के छापे शुरू कर दिए। पिछले कुछ वर्षों में मोदी जी ने पंजाब को भारी नुकसान पहुंचाया है। पंजाबियों को हर संभव तरीके से प्रताड़ित किया गया है। पंजाब के पानी पर हमले किए गए, पंजाब विश्वविद्यालय पर कब्जा करने की कोशिशें की गईं, ग्रामीण विकास के लिए फंड रोक दिया गया और अब ईडी के लगातार छापे मारे जा रहे हैं। अशोक मित्तल के घर पर छापा मारा गया और अगले ही दिन उन्हें भाजपा में शामिल कर लिया गया। इसका मतलब है कि ईडी के छापे का उद्देश्य चोरी का पैसा बरामद करना नहीं था। यह सिर्फ अशोक मित्तल को तोड़कर भाजपा में शामिल करना था।

भारत ने दुनिया को दिखाई एमआईआरवी ताकत, एक ही अग्नि मिसाइल से कई दुश्मनों पर वार का सफल परीक्षण किया गया

एजेंसी। दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित इस प्रणाली की निगरानी अनेक जमीनी तथा समुद्री ट्रैकिंग केंद्रों ने की। मिसाइल के प्रक्षेपण से लेकर सभी पेलोड के लक्ष्य तक पहुंचने तक पूरे मार्ग का सफल परीक्षण किया गया।भारत ने एक बार फिर अपनी सामरिक शक्ति और रक्षा तकनीक का प्रदर्शन करते हुए उन्नत अग्नि मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। ओडिशा स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किए गए इस परीक्षण में बहु स्वतंत्र लक्ष्य भेदी पुनः प्रवेश प्रणाली यानी एमआईआरवी तकनीक का सफल उपयोग किया गया। इस तकनीक के माध्यम से एक ही मिसाइल से कई अलग अलग लक्ष्यों पर हमला किया जा सकता है। भारतीय महासागर क्षेत्र में दूर दूर स्थित विभिन्न लक्ष्यों पर कई पेलोड भेजकर इस क्षमता का सफल प्रदर्शन किया गया।रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित इस प्रणाली की निगरानी अनेक जमीनी तथा समुद्री ट्रैकिंग केंद्रों ने की। मिसाइल के प्रक्षेपण से लेकर सभी पेलोड के लक्ष्य तक पहुंचने तक पूरे मार्ग का सफल परीक्षण किया गया। प्राप्त आंकड़ों से पुष्टि हुई कि मिशन के सभी उद्देश्य पूरी तरह सफल रहे। इस उपलब्धि के साथ भारत ने यह साबित कर दिया कि वह अब एक ही मिसाइल से कई रणनीतिक लक्ष्यों को साधने की क्षमता रखता है। इस परीक्षण के दौरान डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा भारतीय सेना के अधिकारी भी मौजूद रहे।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता पर डीआरडीओ, भारतीय सेना और देश के रक्षा उद्योग को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि भारत की सुरक्षा तैयारियों को और मजबूत बनाएगी। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में यह क्षमता देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।इस परीक्षण के बाद अग्नि–छह को लेकर चर्चा और तेज हो गई है। माना जा रहा है कि भारत शीघ्र ही दस हजार किलोमीटर से अधिक मारक क्षमता वाले अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल अग्नि छह की दिशा में आगे बढ़ सकता है। हम आपको बता दें कि हाल ही में डीआरडीओ प्रमुख समीर वी कामत ने कहा था कि इस परियोजना के लिए सभी तकनीकी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और अब केवल सरकार की मंजूरी का इंतजार है। अग्नि छह में भी एमआईआरवी तकनीक लगाए जाने की संभावना है, जिसके कारण यह एक साथ कई परमाणु हथियार अलग अलग लक्ष्यों तक पहुंचा सकेगा।विशेषज्ञों के अनुसार अग्नि छह की मारक क्षमता छह हजार से लेकर बारह हजार किलोमीटर तक हो सकती है। यदि यह प्रणाली पूरी तरह सक्रिय हो जाती है तो भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएगा।

रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय के तत्वाधान में आयोजित 'कला वर्षा 2026' में आज तीसरा दिन फैब्रिक पेंटिंग के नाम रहा

प्रदर्शनी में कई स्कूल से आए हुए बच्चों ने सुभारती फाइन आर्ट्स के कलाकारों द्वारा उकेरी गई चित्रों के साथ साथ फैशन डिजाइनिग का ज्ञान प्राप्ति किया

विजडम इंडिया ।

देहरादून। देहरादून में सुभारती ललित कला विभाग की ओर से आयोजित पंचम कला प्रदर्शनी "कला वर्षा 2026" का आज तीसरा दिन रहा।

देहरादून के कला प्रेमियों

के लिए यह एक विशेष अवसर लेकर आई है "कला वर्षा 2026" वार्षिक कला प्रदर्शनी, जो चित्रा इंटरनेशनल आर्ट गैलरी, बल्लूपुर में 7 मई से 11 मई 2026 तक आयोजित हो रही है।

आज की प्रदर्शनी की मुख्य अतिथि सुश्री सुमित कौर थीं, जिनका सम्मान डीन डॉ. रीता तिवारी तथा विभाग के प्रमुख डॉ. संतोष कुमार ने स्मृति चिह्न और पताका पहनाकर किया।

प्रदर्शनी में आज रेनबो चिल्ड्रन्स एकेडमी के विद्यार्थियों ने भ्रमण किया और उन्होंने सुभारती फाइन आर्ट्स के विद्यार्थियों की चित्रकृतियों एवं फैशन डिजाइन के कार्यों की प्रशंसा की। इसी के साथ आज इस प्रदर्शनी में कलाकार सुश्री सुमित कौर ने सुभारती विश्वविद्यालय के बच्चों के बीच फैब्रिक पेंटिंग का जीवंत प्रदर्शन (डेमोन्स्ट्रेशन) भी दिया। उन्होंने सभी बच्चों के कार्यों को ध्यानपूर्वक देखते हुए उनकी पेंटिंग्स या इंस्टालेशन के बारे में बच्चों को समझाया और भविष्य में किस प्रकार फैब्रिक पेंटिंग तथा अन्य नए.नए सामग्रियों पर काम किया जा सकता है, इस पर भी बच्चों से विचार.विमर्श किया।

यह पाँचवीं वार्षिक कला प्रदर्शनी "कला वर्षा 2026" युवा एवं उभरते हुए कलाकारों की सृजनात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित कर रही है। यह प्रदर्शनी देहरादून के सभी निवासियों और कला प्रेमियों को अवश्य देखनी चाहिए, क्योंकि यह प्रदर्शनी समाज के कई पहलुओं को जोड़ते हुए तैयार की गई है।

इस भव्य आयोजन का संयोजन डॉ. मुक्ति भटनागर, सुभारती स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स एण्ड फैशन डिजाइन द्वारा किया जा रहा है, जो रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय, देहरादून से संबद्ध है। यह प्रदर्शनी स्वर्गीय संघमाता डॉ. मुक्ति भटनागर को समर्पित है।

इस कार्यक्रम के प्रायोजक हैंरू स्वर्णयुग डिजाइन कंसल्ट, देहरादूनय एलिफेंटा कलर्सय सवारिया स्टेशनरी स्टोर, देहरादूनय तथा कथकल्या अकादमी, देहरादून।

इस अवसर पर असिस्टेन्ट डायरेक्टर (अकादमिक) सुश्री अवनी कमल ने कहा कि इस प्रकार के जीवंत प्रदर्शनों से बच्चों को नई.नई तकनीकों और आज के समय में चल रही समकालीन कला के बारे में जानने और समझने का एक नया वातावरण मिलता है, जिससे उनके अंदर एक नई ऊर्जा का संचार होता है।

इस अवसर पर सुभारती विश्वविद्यालय के डीन और विभाग के शैक्षिक प्रमुख के साथ.साथ विभाग के सम्मानित शिक्षक गीतिका, अयुष, मनोज, नमन पॉल, दीपक, अंकुश, शैलाफाली, ऊर्वशी, डॉ. मनु शर्मा, शारुख आदि उपस्थित रहे।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 10 मई 2026
sheelshukla100@gmail.com

ऊर्जा क्षेत्र में उत्तर प्रदेश बना देश का अग्रणी राज्य, हरित ऊर्जा हब बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा प्रदेश - ए.के. शर्मा

लखनऊ,। प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि जो क्षेत्र कभी उत्तर प्रदेश की कमजोरी माना जाता था, वही आज उसकी सबसे बड़ी ताकत बनता जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश हरित एवं नवीकरणीय ऊर्जा से समृद्ध देश का ऊर्जा हब बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश ने ऊर्जा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। वर्ष 2017 में प्रदेश की प्रति व्यक्ति बिजली खपत 489 यूनिट थी, जो वर्ष 2022 में बढ़कर 518 यूनिट और अब 630 यूनिट तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश में पीक डिमांड बिजली आपूर्ति में नंबर–1 राज्य है तथा आरडीएसएस (त्वै) और ग्रीन कॉरिडोर जैसी केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।ए.के. शर्मा ने बताया कि वर्ष 2012–17 के दौरान प्रदेश की औसत पीक डिमांड लगभग 13 हजार मेगावाट थी, जबकि पिछले चार वर्षों में यह बढ़कर 30 हजार मेगावाट तक पहुंच गई है। पिछले वर्ष प्रदेश की वास्तविक पीक डिमांड 31,468 मेगावाट रही तथा इस वर्ष अप्रैल में 29,475 मेगावाट की पीक डिमांड की सफलतापूर्वक आपूर्ति की गई। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों से उत्तर प्रदेश देश में पीक बिजली आपूर्ति में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है।ऊर्जा मंत्री ने बताया कि वर्ष 2017 तक प्रदेश में 1.80 करोड़ बिजली उपभोक्ता थे, जो अब बढ़कर 3.70 करोड़ हो गए हैं। पिछले चार वर्षों में लगभग 50 लाख नए बिजली कनेक्शन दिए गए हैं। साथ ही, 1.75 लाख अतिरिक्त मजरों का विद्युतीकरण किया गया है। प्रदेश की तापीय विद्युत उत्पादन क्षमता वर्ष 2017 के 5,160 मेगावाट से बढ़कर 9,120 मेगावाट हो चुकी है और जल्द ही 660 मेगावाट की घाटमपुर परियोजना भी शुरू होने जा रही है।उन्होंने कहा कि प्रदेश में बिजली आपूर्ति के बुनियादी ढांचे को भी मजबूत किया गया है। बड़े सबस्टेशनों की क्षमता 39 हजार एमवीए से बढ़कर दो लाख एमवीए तक पहुंच गई है। पिछले चार वर्षों में 30 लाख जर्जर बिजली पोल बदले गए हैं, 1.65 लाख किलोमीटर से अधिक पुराने तारों को एबी केबल से प्रतिस्थापित किया गया है तथा 132 केवी और 33 केवी के कई नए सबस्टेशन स्थापित किए गए हैं।कृषि क्षेत्र का उल्लेख करते हुए ऊर्जा मंत्री ने कहा कि किसानों को ट्यूबवेल कनेक्शन उपलब्ध कराने में तेजी आई है और आज गांवों में न्यूनतम 18 से 20 घंटे तथा शहरों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का एकमात्र राज्य है, जहां पिछले छह वर्षों से बिजली दरों में वृद्धि नहीं की गई है। किसानों को मुफ्त बिजली दी जा रही है तथा बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को लागत से कम कीमत पर बिजली उपलब्ध कराई जा रही है।नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना में उत्तर प्रदेश देश में प्रतिदिन सबसे अधिक इंस्टॉलेशन करने वाला राज्य बन गया है। अप्रैल 2026 में प्रदेश इस योजना में देश में पहले स्थान पर रहा, जबकि लखनऊ शीर्ष प्रदर्शन करने वाला जिला बनकर उभरा है। प्रदेश में चार लाख से अधिक सोलर इंस्टॉलेशन हो चुके हैं और लगभग 1400 मेगावाट उत्पादन क्षमता विकसित की जा चुकी है।उन्होंने बताया कि अयोध्या देश का पहला सोलर सिटी बन चुका है तथा 16 अन्य शहर भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। बायो एनर्जी के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश देश में अग्रणी है, जहां 25 सीबीजी प्लांट्स के माध्यम से प्रतिदिन 240 टन उत्पादन हो रहा है। इससे किसानों और ग्रामीण परिवारों को सीधा लाभ मिल रहा है।ए.के. शर्मा ने कहा कि तकनीक और प्रोफेशनल मैनेजमेंट अपनाने से विभाग की कार्यक्षमता बढ़ी है।

साहित्य, संगीत और कला में निपुण, बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे गुरुदेव- प्रो अशिम मुखर्जी

जगत तारन डिग्री कालेज में मनाई गई गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर की 165 वीं जयंती.

प्रयागराज। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज में संगीत विभाग द्वारा रवींद्र जयन्ती (कविगुरु रवींद्र नाथ टैगोर की 165 वीं जयन्ती) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राओं ने रवींद्र नाथ टैगोर द्वारा रचित कुछ चुनिंदा गीत गाकर कवि गुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के अध्यक्ष प्रो० अशिम मुखर्जी तथा प्राचार्या प्रो० अशिमा घोष ने गुरुदेव के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन से किया. तत्पश्चात प्रो० मुखर्जी ने गुरुदेव के बहुआयामी व्यक्तित्व की चर्चा करते हुए अपने वक्तव्य में कहा कि गुरुदेव अंग्रेजी और बांग्ला साहित्य में अपना पूर्ण वर्चस्व रखते थे, साथ ही काव्य और संगीत में भी निपुण थेउनके कार्यों की चर्चा करते हुए आपने बताया कि गुरुदेव ने दो देशों भारत तथा बांग्लादेश के राष्ट्रगान का निर्माण किया।तत्पश्चात कविगुरु द्वारा रचित ष्बोड़े आशा कोरे एशेछीश, श्ऐक्ला चलो रेश, श्बोरिशो धरा माझेश आदि गीत गाकर छात्राओं ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में डॉ अंकिता चतुर्वेदी ने भी श्पागला हावा बादल दिनेश की सुमधुर प्रस्तुति देकर श्रोताओं की तालियां बटोरीं।कार्यक्रम का निर्देशन एवं संचालन संगीत विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ० नम्रता देब ने किया। कार्यक्रम में छात्राओं आद्या शर्मा, रिया केसरवानी, इशिता सोनी, कीर्ती तथा मनीषा यादव ने भाग लिया तथा तबले पर संदीप कुमार चक्रवर्ती ने संगत किया। कार्यक्रम में शिक्षक गण प्रो० नंदिनी मुखर्जी, सुश्री संगीता सहगल, प्रो० मीनाश्री यादव, प्रो० काजल देब, डॉ० कस्तूरी भारद्वाज तथा डॉ० विजय लक्ष्मी ने शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

मां के चरण पखारते ही छलक पड़े आंसू, बरसा वात्सल्य रस

केडीएस इंटरनेशनल स्कूल में मातृ पूजन दिवस पर भावुक हुए बच्चे और माताएं,

प्रयागराज। मांइ केवल एक शब्द नहीं, बल्कि जीवन का वह आधार है, जिसके बिना हर खुशी अधूरी लगती है। शनिवार को केडीएस इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित मातृ पूजन दिवस के दौरान यही भाव हर आंख में साफ दिखाई दिया। जब नन्हें बच्चों ने मंच पर अपनी मां के चरण पखारे, आरती उतारी और हाथ जोड़ कर वन्दना कीतो पूरा सभागार भावुक हो उठा। कई माताओं की आंखों से आंसू बह निकले और वातावरण ममता के भाव से सराबोर हो गया।कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक पूजा–अर्चना के साथ हुई। इसके बाद छात्रों ने मां की महिमा पर आधारित गीत, नृत्य और संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। हर प्रस्तुति में मां की ममता, त्याग और बेटे–बेटी के प्रेम की झलक दिखाई दी। तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा परिसर गूंजता रहा। उपस्थित अभिभावक भी बच्चों की प्रस्तुतियों को देखकर भावविभोर नजर आए।

कार्यक्रम का एक खास आकर्षण माताओं की सहभागिता रही। बच्चों की माताओं ने भी नृत्य, मनोरंजक खेलों और रैंप वॉक में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर केडीएस एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने का कार्य करते हैं। प्रोफेसर डॉ मांडवी राठौर ने मां–बेटे के रिश्ते की गहराई को भावुक शब्दों में व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका वंदना शर्मा ने किया, जबकि इसकी रूपरेखा अंजू चतुर्वेदी ने तैयार की।

ई-साक्ष्य ऐप के प्रभावी उपयोग को लेकर लखनऊपुलिस की विशेष कार्यशाला, 108 कर्मियों को दिया प्रशिक्षण

लखनऊ, ं। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा रिजर्व पुलिस लाइंस स्थित संगोष्ठी सदन में "ई–साक्ष्य ऐप" विषय पर एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य पुलिस कर्मियों को डिजिटल साक्ष्य संकलन, ई–साक्ष्य ऐप के प्रभावी उपयोग और विवेचना में तकनीकी दक्षता प्रदान करना रहा।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) बबलू कुमार तथा पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) अमित कुमावत के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यशाला का संचालन सहायक पुलिस आयुक्त (महिला अपराधध्ट्रेनिंग सेल) सौम्या पाण्डेय के पर्यवेक्षण में किया गया।कार्यशाला में थाना स्तर पर नियुक्त अतिरिक्त निरीक्षक, वरिष्ठ उपनिरीक्षक, कंप्यूटर ऑपरेटर और सीसीटीएनएस कर्मियों सहित कुल 108 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण सत्र का संचालन सीसीटीएनएस सेल के कंप्यूटर ऑपरेटर अवनीश कुमार त्रिपाठी और भूपेंद्र प्रताप सिंह द्वारा किया गया।प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ई–साक्ष्य ऐप के माध्यम से डिजिटल साक्ष्य संकलन की प्रक्रिया, ऐप से जनरेट होने वाले एसआईडी (ले. जमउ प्कमदजपपिबंजपवद छनउइमत) की उपयोगिता, विवेचना में उसके विधिक महत्व तथा डिजिटल साक्ष्यों के सुरक्षित अपलोड और प्रबंधन की तकनीकों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही ऐप के उपयोग के दौरान आने वाली सामान्य तकनीकी समस्याओं और उनके समाधान पर भी विस्तार से चर्चा की गई।विशेषज्ञ प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए प्रशिक्षण को व्यवहारिक और इंटरएक्टिव स्वरूप में संचालित किया, जिससे पुलिस कर्मियों को तकनीकी प्रक्रियाओं को समझने में आसानी हुई। कार्यशाला में यह भी बताया गया कि ई–साक्ष्य ऐप विवेचना को अधिक पारदर्शी, तकनीकी रूप से मजबूत और समयबद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने भविष्य में भी तकनीकी दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से इस प्रकार की प्रशिक्षण कार्यशालाओं का नियमित आयोजन करने की बात कही है। इसके तहत साइबर अपराध, डिजिटल फॉरेंसिक, सीसीटीएनएस और ऑनलाइन विवेचना जैसे विषयों पर चरणबद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

यमुना नदी में वाटर एडवेंचर स्पोर्ट्स शुरू का शुभारंभ

यमुना रिवर बैंक बोट क्लब पर जेट स्की, बनाना राइडय शहर बनेगा नया पर्यटन हब

प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज ने स्मार्ट सिटी योजना के तहत यमुना नदी में वाटर एडवेंचर स्पोर्ट्स की शुरुआत की है। मेयर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने यमुना रिवर बैंक बोट क्लब पर इस परियोजना का शुभारंभ किया, जिससे शहर को पर्यटन और जल क्रीड़ा के क्षेत्र में नई दिशा मिलेगी।महापौर ने बताया कि प्रयागराज में जल क्रीड़ा की अपार संभावनाएं थीं, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई गंभीर प्रयास नहीं हुए थे। नगर निगम बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पारित होने के बाद इस महत्वाकांक्षी योजना को साकार किया गया है। उन्होंने कहा कि अब प्रयागराज के निवासियों को वाटर स्पोर्ट्स का आनंद लेने के लिए मुंबई या गोवा जाने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि अन्य शहरों के लोग भी यहां आकर इन रोमांचक गतिविधियों का अनुभव कर सकेंगे। वाटर एडवेंचर स्पोर्ट्स का संचालन कर रहे अभिषेक सिंह के अनुसार, बोट क्लब पर स्पीड बोट, जेट स्की और बनाना राइड जैसी कई आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसके अतिरिक्त, 30 सीटर कैटामरीन बोट पर जन्मदिन की पार्टी, विवाह वर्षगांठ और हल्दी सेरेमनी जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जा सकेंगे। संगम तक यात्रा के लिए 7 सीटर बायलाइनर बोट की भी व्यवस्था की गई है। नगर निगम ने कयाकिंग, कैनोइंग और रोइंग जैसी अन्य वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियों की भी शुरुआत की है। इन खेलों के लिए लगभग ढाई करोड़ रुपये के आधुनिक उपकरण मंगाए गए हैं। इससे खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण मिलेगा और उन्हें प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अधिक अवसर प्राप्त होंगे।अंतरराष्ट्रीय कयाकिंग खिलाड़ी नितिन चंद्र, कोच रोहित निषाद और कोच संजय श्रीवास्तव ने नगर निगम की इस पहल को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि इससे प्रयागराज में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की वाटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिताओं के आयोजन की संभावनाएं बढ़ गई हैं, जिसका सीधा लाभ स्थानीय खिलाड़ियों को मिलेगा।

झील किनारे युवक का शव मिलने से सनसनी, हत्या की आशंकाय जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ,। थाना बिजनौर क्षेत्र के ग्राम अशरफ नगर के पास झील किनारे एक खाली प्लॉट में युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक के शरीर पर चोट के निशान मिलने के बाद पुलिस हत्या की आशंका के साथ मामले की जांच में जुट गई है।पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे थाना बिजनौर पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम अशरफ नगर के बाहर झील के किनारे स्थित एक खाली प्लॉट में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।मौके पर मिले शव की पहचान सूरज गौतम पुत्र रमेश गौतम निवासी ग्राम अशरफ नगर, थाना बिजनौर के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक, सूरज गौतम पीजीआई अस्पताल में संविदा पर सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत था और अविवाहित था। शव पर प्रथम दृष्टया चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी अमित कुमार आनंद तथा सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर ने मौके का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मृतक के परिजनों से बातचीत कर घटना के निष्पक्ष और शीघ्र खुलासे का आश्वासन दियापुलिस ने फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर आवश्यक साक्ष्य संकलित कराए हैं। शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।पुलिस का कहना है कि परिजनों से प्राप्त तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

टंकी पर चढ़ने वाली युवती के पति, देवर पर एफआईआर दर्ज

युवती के अधिवक्ता ने कहा, एआई से फोटो बनाकर सोशल मीडिया पर डाली

प्रयागराज। फाफामऊ में दो मई को पानी की टंकी पर चढ़ने वाली युवती के पति, देवर समेत अन्य पर एक और एफआईआर दर्ज की गई है। युवती के अधिवक्ता की शिकायत पर कैंट थाने में यह कार्रवाई हुई है। आरोप लगाया गया है कि युवती के पति और देवर ने मुकदमा छोड़ने के लिए धमकाया। 10 लाख की रंगदारी भी मांगी। बात न मानने पर एक एआई से फोटो बनाकर वायरल कर दिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार राजापुर निवासी भुक्तभोगी अधिवक्ता ने पुलिस को तहरीर देकर बताया, मैं कुछ समय पहले तक युवती का मुकदमा देख रहा था जो उसके पति मो= आलम से विवाद होने के कारण उत्पन्न हुआ। आरोप है कि कई बार मो. आलम व उसके भाई नूर आलम की तरफ से मुकदमा छोड़ने के लिए धमकाया गया और ब्लैकमेल किया गया कि 10 लाख रंगदारी नहीं दोगे तो एआई से फोटो बनवाकर तुम्हें बदनाम कर दूंगा।बात न मानने पर युवती के साथ एआई से फोटो बनवाई और 02 मई को इन्स्टाग्राम आईडी और तीन मई को फेसबुक आईडी आयुष श्रीवास्तव पर गैर–कानूनी ढंग से वायरल करा दिया। कालसुमित नाम की फेसबुक आईडी पर भी यही किया, जो वीडियो में स्वयं इसकी जिम्मेदारी लेते नजर आ रहे हैं। तहरीर में यह भी आरोप लगाया कि सुमित गुप्ता नामक ब्लॉगर अपराधी गिरोह से मिलीभगत करके धन उगाही करता है। उधर जब उन्होंने नूर आलम तथा मो० आलम से सम्पर्क किया और ऐसा न करने के लिये कहा तो उन्होंने दुबारा धमकी दिया कि अगर रंगदारी की रकम नहीं दोगे तो इससे भी बुरी फोटो तथा वीडियो एआई से बनाकर तुम्हें तबाह कर देंगे। किसी लड़की से तुम्हारे ऊपर फर्जी रेप का मुकदमा लिखवा देंगे। सभी की मिलीभगत व षडयंत्र के तहत यह कार्य किया गया। दोनों भाईयों नूर आलम व मो० आलम के विरुद्ध पूर्व में भी आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

महाराणा प्रताप जयंती पर लखनऊमें श्रद्धा और सम्मान का संगम, वीर शिरोमणि के शौर्य को किया नमन

लखनऊ,। राजधानी लखनऊ के हुसैनगंज स्थित महाराणा प्रताप चौक पर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। उत्तर प्रदेश क्षत्रिय समन्वय समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में क्षत्रिय संगठनों सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने एकत्र होकर महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की तथा उनके शौर्य, त्याग और राष्ट्रभक्ति को नमन किया।कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश क्षत्रिय समन्वय समिति के प्रदेश संयोजक प्रदीप सिंह बब्बू द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन संघर्ष, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उनका शौर्य और बलिदान आज भी समाज को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देता हैकार्यक्रम में प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा सिंह बिष्ट, नोएडा विधायक पंकज सिंह, सदस्य विधान परिषद संतोष सिंह, गौरीगंज विधायक राकेश सिंह, गोसाईगंज विधायक अभय सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता नीरज सिंह, पूर्व विधायक शैलेश सिंह शैलू, महिला आयोग की सदस्य एकता सिंह, वरिष्ठ पत्रकार शिवशरण सिंह गहरवार तथा पूर्व डीजीपी यशपाल सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।इस अवसर पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा, शौर्य फाउंडेशन, अखंड राष्ट्रवादी पार्टी, करणी सेना, भारतीय क्षत्रिय समाज, श्रीराम सेवा समिति, राजपूताना महासभा, राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा, अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद तथा उत्तर प्रदेश क्षत्रिय लोक सेवक परिवार महासमिति सहित अनेक सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने महाराणा प्रताप के आदर्शों को आत्मसात कर समाज और राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया।

पत्नी से विवाद के बाद युवक की संदिग्ध मौत

परिजनों ने ससुराल वालों पर लगाया आरोप

प्रयागराज। बारा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोरारी गांव में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार कोरारी गांव निवासी सुग्रीव बिंद पुत्र राजेश बिंद की शादी लगभग तीन वर्ष पूर्व बारा थाना क्षेत्र के असरवई गांव निवासी कविता पुत्री मूलचंद के साथ हुई थी। दंपती का एक वर्ष का पुत्र गोलू भी है। परिवार के लोगों के मुताबिक पति–पत्नी के बीच लंबे समय से घरेलू विवाद चल रहा था और आए दिन कहासुनी होती रहती थी।

बताया जा रहा है कि शुक्रवार शाम किसी बात को लेकर सुग्रीव और उसकी पत्नी कविता के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर कविता ने अपने मायके वालों को सूचना दी। इसके बाद उसका भाई और पिता कोरारी गांव पहुंचे और कविता को अपने साथ मायके लेकर चले गए।

परिजनों का कहना है कि शनिवार सुबह कविता के पिता मूलचंद और अन्य रिश्तेदार दोबारा सुग्रीव के घर पहुंचे। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच पंचायत हुई। काफी देर तक समझौते की कोशिश चलती रही, लेकिन बात नहीं बन सकी। आरोप है कि पंचायत के दौरान दोनों पक्षों में कहासुनी बढ़ गई और मामला मारपीट तक पहुंच गया। इसके बाद कविता के पिता और भाई उसे लेकर वापस असरवई गांव चले गए।

इधर कुछ समय बाद गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब सुग्रीव का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। परिजन शव को लेकर थाना बारा पहुंचे और मामले में न्याय की मांग करने लगे। मृतक दो भाइयों में बड़ा था और जेसीबी चालक का काम करके परिवार का पालन–पोषण करता था। वहीं परिजनों ने मामले में ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। थाना प्रभारी बारा संजय कुमार राय ने बताया कि युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

तीन घरों में भीषण आग से गृहस्थी का लाखों का सामान जलकर राख

प्रयागराज। घूरपुर थाना क्षेत्र के मोहनी का पूरा गांव में अचानक लगी भीषण आग ने तीन परिवारों की मेहनत पर पानी फेर दिया। आग की इस घटना में किसानों के घरों में रखा गेहूं, सरसों, चना, भूसा और गृहस्थी का बड़ा हिस्सा जलकर राख हो गया। घटना के बाद पूरे गांव में अफरा–तफरी और दहशत का माहौल बन गया। ग्रामीणों और दमकल विभाग की टीम ने घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार घूरपुर थाना क्षेत्र के मोहनी का पूरा गांव निवासी रामबाबू पटेल के घर से अचानक धुआं उठता दिखाई दिया। शुरुआत में लोगों को लगा कि मामूली आग होगी, लेकिन देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। तेज हवाओं के चलते आग तेजी से फैलती चली गई और पास में स्थित लालजी पटेल तथा बालकृष्ण पटेल के घरों को भी अपनी चपेट में ले लिया।

ट्रायल चला तेईस साल,गवाही एक भी नहीं,सपा प्रवक्ता समेत तीन बरी--

सुलतानपुर। बंदूक व राइफल बरामदगी के आरोप में पूर्व जिला पंचायत सदस्य व वर्तमान सपा प्रवक्ता धर्मेंद्र सिंह बब्लू समेत तीन आरोपियो के खिलाफ चल रहे तेईस साल पुराने मामले में एसीजेएम कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। शुक्रवार को सामने आए आदेश के मुताबिक अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अलंकृता शक्ति त्रिपाठी की अदालत ने मामले में अभियोजन पक्ष के जरिए लम्बे समय बाद भी कोई साक्ष्य नहीं पेश करने के चलते सबूतो के अभाव में तीनों आरोपियो को दोषमुक्त करार दिया है। कोर्ट ने अभियोजन की लापरवाही पर कड़ी टिप्पणी भी किया है।

कोतवाली देहात थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी यशवंत सिंह ने सात मई साल 2003 को स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। उनके आरोप के मुताबिक स्थानीय कोतवाली के भपटा गांव के रहने वाले आरोपी धर्मेंद्र सिंह बब्लू को 12 बोर की एक बन्दूक के साथ उनके घर पहुंचकर पकड़ लिया गया। इसके अलावा अवैध तरीके से रखा हुआ एक राइफल भी बरामद किया गया। मामले में पुलिस की तहरीर पर धर्मेंद्र सिंह बब्लू के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ। विवेचना के दौरान लम्भुआ कोतवाली के चौकिया के रहने वाले आरोपी जगदीश प्रसाद मिश्रा व कमलेश कुमार सिंह के जरिए अपने लाइसेंसी हथियारों को गैर जिम्मेदराना ढंग से रखने का मामला सामने आया। जिसकी वजह से धर्मेंद्र सिंह बब्लू के अलावा उन्हें भी मामले में आरोपी बनाते हुए पुलिस ने चार्जशीट पेश किया। मामले का ट्रायल एसीजेएम कोर्ट में चल रहा था। मामले में अभियोजन पक्ष की लापरवाही की वजह से लम्बे समय बाद भी एक भी अभियोजन गवाह नहीं पेश किया जा सका,जबकि अदालत बार–बार गवाह पेश करने के लिए चेतावनी देती रही। फिलहाल लम्बे समय तक कोई अभियोजन गवाह नहीं पेश करने के चलते कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि किसी भी अभियुक्त को विचारण के नाम पर असीमित अवधि तक परेशान नहीं किया जा सकता। अदालत ने मामले में अभियोजन पक्ष के खिलाफ कड़ी टिप्पणी करते हुए तीनो आरोपियो को सबूतों के अभाव में दोषमुक्त करार दिया है।

लकड़ी के विवाद में युवक की हत्या,कुल्हाड़ी-लाठी से पीटकर उतारा मौत के घाट

सुलतानपुर।हलियापुर थाना क्षेत्र के उमरा गांव में मामूली लकड़ी विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। दबंगों ने युवक पर लाठी–डंडों और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है।मृतक विजय कुमार अग्रहरी (37) पुत्र स्वर्गीय राम मनोहर के भाई अयोध्या प्रसाद की तहरीर के अनुसार 29 अप्रैल को आई आंधी में पड़ोसी शिवकुमार तिवारी का नीम का पेड़ उनके घर पर गिर गया था।बाद में पेड़ ठेकेदार को बेच दिया गया। आरोप है कि 6 मई को ठेकेदार द्वारा दी गई लकड़ी की झालरी को लेकर विवाद शुरू हुआ।इसी दौरान शिवकुमार तिवारी और पुतन तिवारी लाठी–डंडा व कुल्हाड़ी लेकर पहुंच गए और विजय कुमार पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।परिजन घायल विजय को पहले सौ शैय्या अस्पताल पिठला कुमारगंज ले गए,जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने अयोध्या रेफर कर दिया। इलाज के दौरान विजय की मौत हो गई।थानाध्यक्ष वंदना अग्रहरी ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

जिला जज और बार अध्यक्ष का हुआ एक्सरे

सुल्तानपुर।रास्ट्रीय लोक अदालत में सीएमओ के निर्देश पर स्वास्थ परीक्षण हेतु एम्बुलेंस सेवा लगाई गई। जिला एवं सत्र न्यायालय के परिसर में जिला क्षय रोग विभाग द्वारा एक्सरे मशीन, ईसीजी मशीन द्वारा जनपद न्यायधीश सुनील कुमार (चर्तुथ) एवं बार अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह का एक्सरे हुआ। डीएम इंद्रजीत सिंह की मौजूदगी में रिपोर्ट का अवलोकन हुआ।इसके अलावा वहां मौजूद मरीजों का बलगम का नमूना लेकर तत्काल रिपोर्ट भी दी गई है। एक जनपद एक ब्यंजनष योजना में सुप्रसिद्ध मधुवन स्वीट्स का स्टाल भी लगा ।आपको बता दें कि ष्लाल पेड़ाष्और ष्समोसाष्एक जिला एक उत्पाद में अपनी पहचान बनाये हैं।इस मौके पर जनपद न्यायाधीश सुनील कुमार (चतुर्थ) ,विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मुक्ता त्यागी,,डीएम इंद्रजीत सिंह,एसपी चारु निगम,सीएमओ भारत भूषण समेत दर्जनों पैरा लीगल वालेंटियर आदि मौजूद रहे।

युवाओं के सपनों को नई उड़ान देगा समर्थ पोर्टल

जौनपुर। आधुनिक शिक्षा, उत्कृष्ट संसाधनों और रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के साथ विश्वविद्यालय परिसर एक बार फिर नए शैक्षणिक सत्र के लिए विद्यार्थियों और अभिभावकों के स्वागत को तैयार है। विज्ञान, अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान, विधि, अभियांत्रिकी, फार्मेसी एवं व्यवसाय प्रबंधन जैसे विविध संकायों में संचालित पाठ्यक्रम छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ उज्ज्वल भविष्य का अवसर प्रदान करेंगे। विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि छात्रों को प्रतिस्पर्धी दुनिया के लिए सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना है। विश्वविद्यालय परिसर में इस वर्ष कुल 56 विषयों एवं एक सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाएगा। इनमें स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रम शामिल हैं। डिप्लोमा स्तर पर तीन विषय, स्नातक स्तर पर 31 विषय तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 25 विषय संचालित किए जाएंगे। स्नातक स्तर पर बीटेक के नौ, बीएससी के नौ, बीए के तीन तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों में भी प्रवेश की सुविधा उपलब्ध रहेगी।विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार प्रवेश के लिए विषयवार सीटों की संख्या, पात्रता एवं पूरी प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी शीघ्र ही विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है। विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को सभी आवश्यक सूचनाएं ऑनलाइन माध्यम से सुलभ होंगी, जिससे प्रवेश प्रक्रिया पारदर्शी और सरल बन सके।विश्वविद्यालय परिसर के प्रवेश परीक्षा समन्वयक प्रो. मिथिलेश सिंह ने बताया कि प्रवेश हेतु समर्थ पोर्टल 8 मई से प्रारंभ हो चुका है। अभ्यर्थी समय रहते ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर सकते

देश को एक और महाराणा प्रताप की है जरूरत-अजय सिंह

सुल्तानपुर।रामबरन पीजी कॉलेज बिभारपुर के प्रबंधक अजय कुमार सिंह ने कहा है कि महाराणा प्रताप हमारे देश में एक ऐसे महापुरुष के रूप में प्रतिपादित हुए हैं जिन्होंने जाति और धर्म की सीमाओं से परे रहकर राष्ट्र धर्म और मानवता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।इतिहास भी ऐसे महापुरुषों के इर्द–गिर्द घूमता हुआ कालचक्र का निर्धारण करता है। श्री सिंह रामबरन पीजी कॉलेज में आयोजित महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब देश में अलगावबाद, आतंकवाद, नक्सलबाद और सांप्रदायिक शक्तियां पनप रही है, ऐसे समय में उन्हें कुचलने के लिए राष्ट्र को एक और महाराणा प्रताप की जरूरत है।उन्होंने आगे कहा कि इतिहासकारों ने इतिहास के पन्नों में मुगल पीरियड में महाराणा प्रताप को वह स्थान नहीं दिया जो कवियों और साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं में दिया है।पंडित श्याम नारायण पांडे ने हल्दीघाटी की रचना करके महाराणा प्रताप को अजर और अमर कर दिया।कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया।इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉक्टर अजय त्रिपाठी, राम प्रताप दुबे, सिंधु लता त्रिपाठी, प्रशासक संजय सिंह,डायरेक्टर अमर प्रताप सिंह, मोहित चौबे,गरिमा गौतम, इस्माइल खान, दिलीप दुबे आदि उपस्थित रहे।

रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय के तत्वाधान में आयोजित 'कला वर्षा 2026' में आज तीसरा दिन फैब्रिक पेंटिंग के नाम रहा

प्रदर्शनी में कई स्कूल से आए हुए बच्चों ने सुभारती फाइन आर्ट्स के कलाकारों द्वारा उकेरी गई चित्रों के साथ साथ फैशन डिजाइनिग का ज्ञान प्राप्ति किया

संवाददाता

देहरादून। देहरादून में सुभारती ललित कला विभाग की ओर से आयोजित पंचम कला प्रदर्शनी "कला वर्षा 2026" का आज तीसरा दिन रहा।

देहरादून के कला प्रेमियों के लिए यह एक विशेष अवसर लेकर आई है "कला वर्षा 2026" वार्षिक कला प्रदर्शनी, जो चित्रा इंटरनेशनल आर्ट गैलरी, बल्लूपुर में 7 मई से 11 मई 2026 तक आयोजित हो रही है।

आज की प्रदर्शनी की मुख्य अतिथि सुश्री सुमित कौर थीं, जिनका सम्मान डीन डॉ. रीता तिवारी तथा विभाग के प्रमुख डॉ. संतोष कुमार ने स्मृति चिह्न और पताका पहनाकर किया।

प्रदर्शनी में आज रेनबो चिल्ड्रन्स एकेडमी के विद्यार्थियों ने भ्रमण किया और उन्होंने सुभारती फाइन आर्ट्स के विद्यार्थियों की चित्रकृतियों एवं फैशन डिजाइन के कार्यों की प्रशंसा की। इसी के साथ आज इस प्रदर्शनी में कलाकार सुश्री सुमित कौर ने सुभारती विश्वविद्यालय के बच्चों के बीच फैब्रिक पेंटिंग का जीवंत प्रदर्शन (डेमोन्स्ट्रेशन) भी दिया। उन्होंने सभी बच्चों के कार्यों को ध्यानपूर्वक देखते हुए उनकी पेंटिंग्स या इंस्टालेशन के बारे में बच्चों को समझाया और भविष्य में किस प्रकार फैब्रिक पेंटिंग तथा अन्य नए.नए सामग्रियों पर काम किया जा सकता है, इस पर भी बच्चों से विचार.विमर्श किया।

यह पाँचवीं वार्षिक कला प्रदर्शनी "कला वर्षा 2026" युवा एवं उभरते हुए कलाकारों की सृजनात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित कर रही है। यह प्रदर्शनी देहरादून के सभी निवासियों और कला प्रेमियों को अवश्य देखनी चाहिए, क्योंकि यह प्रदर्शनी समाज के कई पहलुओं को जोड़ते हुए तैयार की गई है।

इस भव्य आयोजन का संयोजन डॉ. मुक्ति भटनागर, सुभारती स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स एण्ड फैशन डिजाइन द्वारा किया जा रहा है, जो रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय, देहरादून से संबद्ध है। यह प्रदर्शनी स्वर्गीय संघमाता डॉ. मुक्ति भटनागर को समर्पित है।

इस कार्यक्रम के प्रायोजक हैंरू स्वर्णयुग डिजाइन कंसल्ट, देहरादूनय एलिफेंटा कलर्सय सवारिया स्टेशनरी स्टोर, देहरादूनय तथा कथकल्या अकादमी, देहरादून।

इस अवसर पर असिस्टेन्ट डायरेक्टर (अकादमिक) सुश्री अवनी कमल ने कहा कि इस प्रकार के जीवंत प्रदर्शनों से बच्चों को नई.नई तकनीकों और आज के समय में चल रही समकालीन कला के बारे में जानने और समझने का एक नया वातावरण मिलता है, जिससे उनके अंदर एक नई ऊर्जा का संचार होता है।

इस अवसर पर सुभारती विश्वविद्यालय के डीन और विभाग के शैक्षिक प्रमुख के साथ.साथ विभाग के सम्मानित शिक्षक गीतिका, अयुष, मनोज, नमन पॉल, दीपक, अंकुश, शैलाफाली, ऊर्वशी, डॉ. मनु शर्मा, शारुख आदि उपस्थित रहे।

महिलाओ को स्वास्थ्य का विशेष ध्यान देने की जरूरत

जौनपुर। शनिवार को मातृ दिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर वेल्सपन फाउंडेशन फॉर हेल्थ एंड नॉलेज और मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान के सयुंक्त तत्वाधान मे रामपुर ब्लॉक के सेहरा गांव के पटेल बस्ती में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया हुआ । कार्यक्रम में गांव के 150 से अधिक महिलाओं, किशोरी और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की कार्यकर्ती व समूह सखी भी शामिल हुयी । कार्यक्रम में दिशा क्रिएशन के नवीन कुमार पांडे ने कहा की 10 मई को मातृ दिवस मई माह के दूसरे रविवार को अमेरिका की एना जर्विस द्वारा अपने माँ के याद मे मनाया जाता है जिसे मनाए जाने का मुख्य उद्देश्य है की मातृ दिवस के महत्त्व के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा की सभी लोगों को अपने माँ का सम्मान करना चाहिए माँ का हमारे जीवन मे वहुत बड़ा महत्व है । एनआरएलएम के बैठक में स्वास्थ के मुद्दे के बारे मे सचेत होना जरूरी बताया । साथ ही अटल पेंसन और प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना पर प्रकास डाले और बाल विकास परियोजना कार्यालय से मुख्य सेविका माया देवी ने माँ के त्याग और समर्पण पर चर्चा किया यह भी बातया की महिलाओ के स्वास्थ का विशेष ध्यान देना चाहिए महिलायें अपने परिवार और बच्चो के समर्पण पर इतना ध्यान देती है की अपने स्वास्थ का ध्यान नहीं दे पाती और वही माँ के लिए हमारे पास समय नहीं रहता इस लिए कम से कम एक दिन ऐसा हो की हम पूरा समय अपने माँ को दे ये बहुत जरुरी और उनके स्वास्थ, खान,पान पर हमारी जिम्मेदारी है की देख रेख करें । उमाशंकर, जयदेवी, पूजा भारती, रीता सिंह ने विचार व्यक्त किए। संचालन उमा शंकर व धन्यवाद ज्ञापन रीता सिंह ने किया।

न्यायमूर्ति ने चौकिया धाम में पूजन अर्चन किया

जौनपुर। प्रयागराज उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एवं जौनपुर जिले के प्रशासनिक जज नीरज तिवारी ने जनपद आगमन पर माता शीतला चौकियां धाम में परिवार सहित मत्था टेक कर पूजन अर्चन किया और कहा कि माता शीतला चौकियां माई जगजननी है माता का दर्शन किया।उक्त अवसर पर माता शीतला चौकियां धाम ट्रस्ट द्वारा महंत विवेकानंद विवेक महराज के नेतृत्व में न्यायमूर्ति्त का माता शीतला प्रतिमा भेट कर अंगवस्त्र स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत अभिनंदन किया गया।उक्त अवसर पर जिला जज सुशील कुमार शशि, सीजेएम श्रीमती स्वेता यादव, जज शालिनी महंत विवेकानंद विवेक , राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया प्रबंधक अजय कुमार पंडा मंदिर अध्यक्ष विकास पंडा उप महंत सुजीत पंडा विशाल पंडा ,राजेश पंडा, एक्टर आशीष माली, सहित जिले के न्यायिक अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी,पुलिस अधिकारी गण सहित भारी सुरक्षा बल मौजूद रहे।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार दो युवक हुए घायल--

सुलतानपुर। कोतवाली देहात क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। हादसा शुक्रवार शाम मानापुर गौरा गांव के पास हुआ। घायलों को ग्रामीणों ने जिला अस्पताल पहुंचाया। एक युवक की पहचान सौराई गांव निवासी मिंटू उर्फ विपिन के रूप में हुई है, जबकि दूसरे की पहचान नहीं हो सकी। डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी है।

बीमार नंदी महाराज की सेवा में फिर उतरी गौ रक्षा वाहिनी, कराया उपचार--

सुल्तानपुर। जनपद में गौसेवा और समाजसेवा के क्षेत्र में लगातार सक्रिय गौ रक्षा वाहिनी ने एक बार फिर मानवता और संवेदनशीलता की मिसाल पेश की है। सिंचाई विभाग परिसर में बीमार अवस्था में पड़े एक नंदी महाराज की सूचना मिलते ही गौ रक्षा वाहिनी की टीम मौके पर पहुंची और तत्काल उपचार की व्यवस्था कराई।बताया जा रहा है कि नंदी महाराज कई दिनों से बीमार हालत में पड़े थे और उनकी स्थिति लगातार बिगड़ रही थी। सूचना मिलते ही बिना देरी किए टीम मौके पर पहुंचकर पशु चिकित्सकों से संपर्क कराया और इलाज शुरू कराया। उपचार के बाद नंदी महाराज की हालत में सुधार बताया जा रहा है।गौ रक्षा वाहिनी की टीम लगातार जनपद में गौवंशों की सेवा, घायल पशुओं के उपचार, संरक्षण और उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। यही कारण है कि संगठन अब सिर्फ गौसेवा तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि समाज सेवा के क्षेत्र में भी एक मजबूत पहचान बना चुका है। प्रभारी सर्वेश कुमार सिंह के नेतृत्व में गौ रक्षा वाहिनी लगातार ऐसे कार्य कर रही है, जो समाज के लिए प्रेरणा बनते जा रहे हैं। चाहे घायल गौवंश को बचाना हो, मृत गौवंश को सम्मानपूर्वक समाधि दिलानी हो या फिर प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर पशु संरक्षण का कार्य करना हो, हर मोर्चे पर टीम सक्रिय दिखाई दे रही है।स्थानीय लोगों ने भी गौ रक्षा वाहिनी के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि जहां कई लोग सिर्फ बातें करते हैं, वहीं सर्वेश कुमार सिंह और उनकी टीम जमीन पर उतरकर वास्तविक सेवा का कार्य कर रही है।

जिले में अवैध वाहन कटान का खेल जारी,जिम्मेदार अधिकारी बने अंजन, नियमों की उड़ रही धज्जियां--

सुल्तानपुर। जिले में पुराने वाहनों को अवैध रूप से काटने का धंधा तेजी से फल–फूल रहा है। हैरानी की बात यह है कि वाहन मालिकों द्वारा क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (त्ज्) से रजिस्ट्रेशन निरस्त कराए बिना ही वाहनों को कबाड़ में काटा जा रहा है। नियमों के मुताबिक किसी भी वाहन को स्क्रैप करने से पहले त्ब कैंसिल कराना अनिवार्य है, लेकिन यहां खुलेआम इसका उल्लंघन हो रहा है। सूत्रों की मानें तो कई स्थानों पर बिना अनुमति के कटान किया जा रहा है, जिससे चोरी के वाहनों के खपाने की भी आशंका जताई जा रही है। इससे न सिर्फ सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है बल्कि पर्यावरण मानकों की भी अनदेखी की जा रही है। मामले में संबंधित विभाग की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। जिम्मेदारों की चुप्पी से अवैध कारोबारियों के हौसले बुलंद हैं।

सनातन मूल्यों और गुरुओं के आशीर्वाद से महाराणा प्रताप ने प्रेरणा ली थी- सांसद संजय सिंह

सुलतानपुर। महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में आप पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी पहुँचे। अपने संबोधन में उन्होंने महाराणा प्रताप के संघर्ष, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समरसता की भावना को याद किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार महाराणा प्रताप ने समाज के हर वर्ग को साथ लेकर विदेशी शक्तियों का सामना किया, उसी प्रकार सनातन संस्कृति में ब्राह्मण समाज ने सदैव ज्ञान, धर्म और राष्ट्र चेतना को जीवित रखने का कार्य किया है। संजय सिंह ने भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत समन्वय और सम्मान की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि ऋषि–मुनियों और ब्राह्मणों ने सदियों से समाज को दिशा देने, धर्म की रक्षा करने और संस्कारों को जीवित रखने का कार्य किया है। वेद, पुराण, रामायण और गीता जैसी महान परंपराओं को जन–जन तक पहुंचाने में ब्राह्मण समाज की भूमिका अतुलनीय रही है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप जैसे वीरों को प्रेरणा भी सनातन मूल्यों और गुरुओं के आशीर्वाद से मिली। भारतीय संस्कृति में ब्राह्मण केवल एक समाज नहीं, बल्कि ज्ञान, तपस्या और राष्ट्रधर्म के प्रतीक रहे हैं।

सनातन मूल्यों और गुरुओं के आशीर्वाद से महाराणा प्रताप ने प्रेरणा ली थी- सांसद संजय सिंह

सुलतानपुर। महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में आप पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी पहुँचे। अपने संबोधन में उन्होंने महाराणा प्रताप के संघर्ष, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समरसता की भावना को याद किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार महाराणा प्रताप ने समाज के हर वर्ग को साथ लेकर विदेशी शक्तियों का सामना किया, उसी प्रकार सनातन संस्कृति में ब्राह्मण समाज ने सदैव ज्ञान, धर्म और राष्ट्र चेतना को जीवित रखने का कार्य किया है। संजय सिंह ने भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत समन्वय और सम्मान की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि ऋषि–मुनियों और ब्राह्मणों ने सदियों से समाज को दिशा देने, धर्म की रक्षा करने और संस्कारों को जीवित रखने का कार्य किया है। वेद, पुराण, रामायण और गीता जैसी महान परंपराओं को जन–जन तक पहुंचाने में ब्राह्मण समाज की भूमिका अतुलनीय रही है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप जैसे वीरों को प्रेरणा भी सनातन मूल्यों और गुरुओं के आशीर्वाद से मिली। भारतीय संस्कृति में ब्राह्मण केवल एक समाज नहीं, बल्कि ज्ञान, तपस्या और राष्ट्रधर्म के प्रतीक रहे हैं।

महाराणा प्रताप ने घास की रोटी खा नहीं स्वाकारी अधीनता

जौनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित प्रेक्षागृह में शनिवार को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के जयंती पर राजपूत सेवा समिति के तत्वाधान में आयोजित मेधावी प्रतिभा सम्मान का आयोजन हुआ। राजपूत समाज के आईएएस, पीसीएस में चयनित 11 मेधावियों के साथ साथ यूपी बोर्ड में जनपद में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री डा. महेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि बीर शिरोमणि महाराणा प्रताप अदम्य साहस और बीरता के प्रतीक थे। उन्होंने घास की रोटी खाई लेकिन मुगलों की अधीनता स्वीकार नहीं किया। वे देश के हर दिल में बसे है। उनके गौरव गाथा को दुनिया में लोग याद कर रहे है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने जिस भारत का सपना देखा था, जिस भारत की वे कल्पना करते थे आज फिर से वो भारत खड़ा हो गया है। दुनियां के अंदर भारत का परचम फहर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व गृहराज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह ने कहा कि अदम्य साहस और बीरता के प्रतीक महाराणा प्रताप जी के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने लक्ष्य के प्रयासों के लिए राजपूत समाज को आगे बढ़ाना चाहिए। मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए लड़ने वाले इस महान योद्धा को युगों युगों तक याद किया जाएगा। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम की शुरुआत किया।

पुलिस बूथ महाराणा प्रताप पार्क का उद्घाटन

जौनपुर। कलीचाबाद में स्थित महाराणा प्रताप पार्क के पास शनिवार को पुलिस बूथ का उद्घाटन पूर्व गृहराज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह ने फीता काटकर किया। उनके साथ अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव व सहायक पुलिस अधीक्षक सीओ सीटी गोल्डी गुप्ता के साथ थाना प्रभारी लाइन बाजार व राजपूत सेवा समिति के सदस्य मौजूद रहे।

डीएम के आदेश पर महिला खतौनी में दर्ज हुआ नाम

जौनपुर।समाधान दिवस के मौके पर जिलाधिकारी सैमुअल पॉल ने एक महिला का नाम चंद मिनट में खतौनी में दर्ज करवाया।क्षेत्र के जगदीशपुर गांव की निवासी नाजमा के पति जुमराती की 30 सितम्बर 2025 को इंतकाल हुआ था।उनके तीन पुत्र है।सभी शादीशुदा है।जुमराती की मौत के बाद लड़को व बहुओं द्वारा वृद्ध माँ को प्रताड़ित किया जाने लगा।पुत्रों द्वारा पिता की जमीन का उपयोग करने लगे।तीनो ने पुराने घरोही को बांट कर अपना अपना मकान बनाने लगे।जुमराती के मौत के बाद उनकी जमीन के खतौनी पर पत्नी व बच्चों का नाम अभी तक दर्ज नही हुआ था।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 10 मई 2026
sheelshukla100@gmail.com

भाजपा को परखने के औजार बदलने होंगे

राष्ट्रवाद को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से लेकर अनेक विचारक स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत का राष्ट्रवाद संकीर्ण पश्चिमी राष्ट्रवाद से सर्वदा विपरीत है। पश्चिमी मीडिया भारत को अक्सर यूरोपीय राजनीतिक अनुभवों के चश्मे से देखने की कोशिश करता है। वहां राष्ट्रवाद का अर्थ सत्ता विस्तार व नस्लीय वर्चस्व रहा है। भारतीय जनता पार्टी की बंगाल जीत ने केवल राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक विश्लेषकों का भी ध्यान आकर्षित किया है। सभी अपने–अपने मापदण्डों पर इस चुनाव परिणाम को परख रहे हैं परन्तु पुराने ढर्रों पर चलते हुए फिर से गलती पर गलती दोहराते लगते हैं। यहां के विपक्ष की मानें तो यह एसआईआर के प्रयोग से निकला विजयमार्ग है तो विदेशी विश्लेषक फिर से जिंगल बैल जिंदल बैल की तरज पर साम्प्रदायिकता का गीत गाने लगे हैं। इन पांच राज्यों के चुनाव परिणाम बताते हैं कि भाजपा ने कहीं पहली बार पांव जमाए हैं, कहीं वह फिर से सत्ता में आई है तो कहीं उसने अपना जनाधार बढ़ाया है। अगर केरल जैसे राज्य में वामपंथी दलों को भाजपा के प्रभाव के डर से अयप्पा के दर्शन करने पड़ें, भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से बंजर कहे जाने वाले बंगाल में कमल की फसल लहलाने लगे, द्रविड़ राजनीति के केंद्र तमिलनाडू में उसकी आहट सुनने लगे यह सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि विरोधी इस दल को गलत औजारों से परख रहे हैं। विरोधी भूलते हैं कि देश का मतदाता मदिहीन नहीं है, वह सुशासन व विकास को अपनी पसंद बनाता जा रहा है। अगर कोई दल संविधान के अनुरूप काम करते हुए जनता की पसंद बन रहा है तो विरोधियों को भी अपनी सोच बदलनी होगी।भाजपा केंद्र और बहुत से राज्यों में वर्षों से शासन में है। अंधविरोध के चरम पर जा कर भी शासन व संवैधानिक व्यवस्था के किसी मान्य मापदण्ड पर विपक्ष अभी तक ऐसा कोई मुद्दा तराश नहीं पाया है जो जनता को भी मान्य हो। यहां तक कि प्रधानमंत्री कई बार चुटकी ले चुके हैं कि सार्वजनिक जीवन में विपक्ष उनकी कोई तथ्यात्मक आलोचना करने में असफल रहा है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में भाजपा के सत्ता तक पहुंचते ही वैश्विक वैचारिक गलियारों में भी बेचैनी पैदा हो गई है। विदेशी मीडिया के बड़े हिस्से ने भारत में लोकतंत्र, अल्पसंख्यक अधिकार और चुनावी निष्पक्षता पर अचानक सवाल उठाने शुरू कर दिए। बीबीसी, न्यूयॉर्क टाइम्स, द गार्जियन और अल जजीरा जैसे मंचों पर फिर से यह विमर्श तेजी से गढ़ा जाने लगा कि भारत हिन्दू राष्ट्रवाद की ऐसी दिशा में बढ़ रहा है, जहां लोकतंत्र व बहुलता खतरे में है। विदेशी मीडिया में ज्यादा चर्चा बंगाल की है। सवाल यही है कि क्या चिंता वास्तव में लोकतंत्र की है या उस सियासी बदलाव की, जिसने दशकों पुराने वामपंथ और छद्मधर्मनिरपेक्षता के वैचारिक गढ़ को ध्वस्त कर दिया? जब भाजपा हारती है, तो विदेशी मीडिया भारत की लोकतांत्रिक परिपक्वता की तारीफ करता है, पर जैसे ही वह निर्णायक जनादेश लेकर आती है, तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया संदेह और संस्थागत संकट की भाषा में बदल जाती है। श्रेष्ठभावना से ग्रसित पश्चिमी जगत कहीं यह तो नहीं मानता कि भारतीय मतदाताओं में राजनीतिक समझ का अभाव है ?राष्ट्रवाद को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से लेकर अनेक विचारक स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत का राष्ट्रवाद संकीर्ण पश्चिमी राष्ट्रवाद से सर्वदा विपरीत है। पश्चिमी मीडिया भारत को अक्सर यूरोपीय राजनीतिक अनुभवों के चश्मे से देखने की कोशिश करता है। वहां राष्ट्रवाद का अर्थ सत्ता विस्तार व नस्लीय वर्चस्व रहा है। जबकि भारत में राष्ट्रवाद सांस्कृतिक, सभ्यतागत पहचान और ऐतिहासिक आत्मबोध से जुड़ा है। इसे विदेशी मीडिया समझ नहीं पाता। इसीलिए वो हमारे सांस्कृतिक पुनर्जागरण को सीधे अल्पसंख्यक–बहुसंख्यकवाद से जोड़ देता है। यही कारण है कि बंगाल में भाजपा की जीत को पश्चिम के विश्लेषकों ने लोकतांत्रिक परिवर्तन के बजाय हिंदू राष्ट्रवादी कब्जे की तरह प्रस्तुत किया गया। एसआईआर पर अर्धसत्य दिखाते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने परिणामों

के बाद वोट चोरी का आरोप लगाया। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को भाजपा का आयोग बताया। विदेशी मीडिया ने इन आरोपों को लगभग बिना तथ्य जांचे ही अपने विमर्श का आधार बना लिया। विशेष रूप से एसआईआर को मुस्लिम मतदाताओं को हटाने की साजिश के रूप में पेश किया गया, जबकि हटाए गए 91 लाख नामों में 63 प्रतिशत हिंदू मतदाता थे। बड़ी संख्या में नाम मृत, डुप्लिकेट, स्थायी रूप से स्थानांतरित या फर्जी पाए गए थे। इसके बावजूद विदेशी मीडिया के बड़े हिस्से ने केवल मुस्लिम वोट हटाए गए वाली जिद को प्रमुखता दी। देसी–विदेशी विश्लेषक यह भूल गए कि जिन 20 सीटों पर जाँच के बाद सबसे ज्यादा वोट काटे गए थे, उनमें से ज्यादातर पर टीएमसी ने ही कब्जा जमाया है। इन सीटों में समशेरगंज, लालगोला, भगवानगोला, रघुनाथगंज, मटियाबुर्ज, सूती, मोथाबाड़ी, गोलपोखर, मालतीपुर, चोपड़ा, सुजापुर, राजारहाट न्यू टाउन और बशीरहाट उत्तर शामिल हैं। इन सभी 13 सीटों पर ममता बनर्जी की पार्टी को जीत मिली है। अन्य सीटों की बात करें तो फरक्का सीट पर सबसे ज्यादा 38,222 वोट काटे गए थे, लेकिन वहाँ से कॉन्ग्रेस ने जीत दर्ज की। वहीं भाजपा को जंगीपुर, रतुआ, करनदिघी, केतुग्राम, मानिकचक और मोंतेश्वर जैसी 6 सीटों पर जीत मिली। यह अकेला आँकड़ा ही उस प्रोपेगेंडा की हवा निकाल देता है जिसमें यह दावा किया जा रहा था कि वोटर लिस्ट में सुधार से सिर्फ टीएमसी को नुकसान हुआ और भाजपा को फायदा पहुँचा। अगर बड़े पैमाने पर देखें, तो जिन 187 सीटों पर 5,000 से ज्यादा वोटर्स के नाम काटे गए थे, वहां भाजपा ने 119 और टीएमसी ने 65 सीटों पर जीत दर्ज की। इन 187 सीटों में से 47 सीटें ऐसी थीं, जहाँ कटे हुए वोटों की संख्या जीत के अंतर से ज्यादा थी। भाजपा ने जो 119 सीटें जीतीं, उनमें से 28 सीटों पर जीत का अंतर कटे हुए वोटों से कम था। इन आँकड़ों से साफ है कि कई सीटों पर कांटे की टक्कर थी और वहाँ कटे हुए वोटों की संख्या जीत के मार्जिन से ज्यादा रही। लेकिन हार का पूरा ठीकरा सिर्फ वोटर लिस्ट सुधार की प्रक्रिया पर फोड़ देना और इसे ही हार की एकमात्र वजह बताना पूरी तरह से भ्रामक और गलत है।सच्चाई यह है कि देसी–विदेशी विश्लेषकों को नरेंद्र मोदी और भाजपा का बढ़ता राजनीतिक विस्तार विदेशी वैचारिक प्रतिष्ठानों की सबसे बड़ी बेचौनी बन चुका है। खास कर उन क्षेत्रों में यह जलन ज्यादा है जो 2024 के आम चुनावों में कांग्रेस को मिली थोड़ी राजनीतिक राहत को लेकर उत्साहित चला आरहा था। आज भाजपा अधिकांश राज्यों में प्रत्यक्ष या गठबंधन के जरिए सत्ता में है। ऐसे में भारत को हिन्दू राष्ट्रवादी लोकतंत्र और एकदलीय प्रभुत्व के खांचे में फिट करने की कोशिशें और तेज होती दिख रही हैं। परंतु बंगाल का फैसला यह भी साबित करता है कि भारत का मतदाता अपनी प्राथमिकताएं जमीन, अनुभव और आकांक्षाओं के आधार पर तय कर रहा है, न कि न्यूयॉर्क, लंदन या दोहा में बैठे नैरेटिव निर्माताओं की वैचारिक दृष्टि के अनुसार।

विदेशी विश्लेषणों में बंगाल के चुनावी परिणाम को हिन्दुत्व के उभार के रंग में रंग दिया। लेकिन वहां की जनता की नाराजगी, आर्थिक बदहाली, भ्रष्टाचार, महिला उत्पीडन, सत्ताधारियों की हिंसा, उद्योगों का पलायन जैसे कारणों की अनदेखी कर गया।

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन है वैचारिक बदलाव का संकेत

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सफलता को अनेक लोग डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों से भी जोड़कर देख रहे हैं। डॉ. मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय एकता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने विभाजनकारी राजनीति का विरोध किया और राष्ट्रीय एकात्मता को सर्वोपरि माना।पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों को केवल एक राजनीतिक दल की जीत या हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह परिणाम उस वैचारिक संघर्ष का प्रतीक बनकर उभरे हैं, जो लंबे समय से बंगाल की राजनीति के भीतर सुलग रहा था। वर्षों तक बंगाल को एक ऐसे राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां कथित रूप से जाति, धर्म और पहचान की राजनीति नहीं चलती, बल्कि विचारधारा, वर्ग–संघर्ष और बंगालियत की राजनीति प्रभावी रहती है। किंतु 2026 के चुनाव परिणामों ने इस स्थापित धारणा को गहराई से चुनौती दी है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान में आए परिवर्तन का भी संकेत है। मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या वैचारिक रोमांटिसिज्म के आधार पर मतदान नहीं कर रहा, बल्कि वह अपनी सांस्कृतिक पहचान, सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और भविष्य को भी ध्यान में रख रहा है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व सफलता को अनेक विश्लेषक एक प्रकार के "सांस्कृतिक पुनर्जागरण" के रूप में देख रहे हैं।पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में "बंगाली अस्मिता" और "हिंदू पहचान" के बीच एक वैचारिक द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा था। तृणमूल कांग्रेस ने स्वयं को बंगाल की संस्कृति और क्षेत्रीय गौरव का संरक्षक बताया, जबकि भाजपा ने राष्ट्रीयता, हिंदुत्व और सांस्कृतिक चेतना को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया। वास्तव में बंगाल की ऐतिहासिक चेतना कभी संकुचित नहीं रही। यह वही भूमि है जहाँ से स्वामी विवेकानंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, रवींद्रनाथ ठाकुर और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे महापुरुषों ने भारतीय राष्ट्रवाद को नई दिशा दी। "वंदे मातरम्" का उद्घोष भी इसी भूमि से निकला। इसलिए जब बंगाल में राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक अस्मिता की चर्चा होती है, तो वह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि भावनात्मक और ऐतिहासिक संदर्भ भी ग्रहण कर लेता है। भाजपा ने इसी ऐतिहासिक चेतना को पुनः जागृत करने का प्रयास किया। दुर्गापूजा, रामनवमी, हनुमान जयंती और हिंदू धार्मिक प्रतीकों को लेकर जिस प्रकार की राजनीतिक बहसें पिछले वर्षों में सामने आईं, उन्होंने हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग को यह महसूस कराया कि उसकी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां राजनीतिक विवाद का विषय बन रही हैं। परिणामस्वरूप एक बड़ा वर्ग अपनी पहचान के प्रश्न पर अधिक मुखर हुआ। पश्चिम बंगाल की राजनीति लंबे समय से अल्पसंख्यक वोट बैंक के इर्द–गिर्द घूमती रही है। विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा कि ममता बनर्जी सरकार ने संतुलित शासन के बजाय तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया। चाहे इमाम भत्ता का मुद्दा हो, धार्मिक आयोजनों को लेकर प्रशासनिक निर्णय हों या सीमावर्ती जिलों में बदलता जनसांख्यिकीय संतुलन–इन सभी विषयों ने धीरे–धीरे हिंदू समाज के भीतर असंतोष को जन्म दिया। यह असंतोष केवल धार्मिक नहीं था, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी था। अनेक लोगों को यह लगने लगा कि राज्य में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक निर्णयों में निष्पक्षता का अभाव है। भाजपा ने इसी भावना को राजनीतिक रूप दिया। उसने यह संदेश देने का प्रयास किया कि उसकी राजनीति केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि "सांस्कृतिक सुरक्षा" स्थापित करने की राजनीति है। यही कारण है कि चुनाव प्रचार के दौरान "जय श्रीराम" जैसे नारे केवल धार्मिक उद्घोष नहीं रहे, बल्कि वे एक प्रकार के राजनीतिक प्रतिरोध और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक बन गए।

बुंदेलखंड की बदहाली को बदलने का दस सूत्रीय रोडमैप

डॉ अतुल मलिकराम

बुंदेलखंड की धरती, जो कभी अपनी वीरता और सांस्कृतिक विरासत के लिए विश्व विख्यात थी, आज गरीबी, बेरोजगारी और पलायन के अभिशाप से कराह रही है। यहाँ के गाँवों में फैली भुखमरी और अभाव की स्थिति किसी से छिपी नहीं है, लेकिन सत्ता के गलियारों में बैठी सरकार शायद इस चीख को सुनने में असमर्थ है। नीति आयोग का बहुआयामी गरीबी सूचकांक स्पष्ट गवाही देता है कि उत्तर प्रदेश या मध्य प्रदेश, देश के सबसे गरीब राज्यों में तीसरे –चौथे स्थान पर हैं, और इन राज्यों में फैले बुंदेलखंड के जिले इस शर्मनाक सूची में शीर्ष पर काबिज हैं। चित्रकूट, टीकमगढ़ और बाँदा जैसे क्षेत्रों में आधी से ज्यादा आबादी गरीबी रेखा के नीचे संघर्ष कर रही है। मैं स्पष्ट रूप से कह सकता हूँ कि बुंदेलखंड को केवल खोखले चुनावी वादों की नहीं, बल्कि एक ठोस और समग्र कार्ययोजना की आवश्यकता है, जिसे लागू करने के लिए सरकार को अपनी नींद से जागना होगा।

बुंदेलखंड को गरीबी मुक्त बनाने की दिशा में सबसे पहला कदम एक सटीक और पारदर्शी डेटाबेस तैयार करना होना चाहिए। सरकार को यह समझना होगा कि जब तक हमें यह नहीं पता होगा कि अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति कौन है और उसकी विशिष्ट जरूरतें क्या हैं, तब तक योजनाओं का लाभ बिचौलियों की भेंट चढ़ता रहेगा। आयुष्मान भारत, पीएम आवास और लाड़ली बहना जैसी योजनाओं को एकीकृत कर एक ऐसा तंत्र विकसित करना होगा जहाँ कोई भी पात्र परिवार सरकारी तंत्र की लापरवाही के कारण वंचित न रहे। केवल ई–केवाईसी के आंकड़े गिनाने से पेट नहीं भरताय वास्तविक धरातल पर योजनाओं का पहुँच जाना ही सफलता की कसौटी है।

क्षेत्र की आर्थिक रीढ़ को मजबूत करने के लिए हर गरीब परिवार के कम से कम एक सदस्य को रोजगार या स्वरोजगार से जोड़ना अनिवार्य है। बुंदेलखंड के युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है, कमी है तो केवल उचित प्रशिक्षण और संसाधनों की। सरकार को चाहिए कि वह स्थानीय उद्योगों की मांग के अनुसार विशेष कौशल विकास केंद्र स्थापित करे, जो केवल प्रमाण पत्र न बाँटें बल्कि 70 प्रतिशत प्लेसमेंट की गारंटी भी दें। मध्य प्रदेश की मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति जैसी योजनाओं का लाभ उन गरीब युवाओं तक पहुँचना चाहिए जो ऋण लेने की जटिल प्रक्रिया से डरकर पीछे हट जाते हैं। इसके साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में डेयरी, पोल्ट्री और मत्स्य पालन जैसे सहायक व्यवसायों को सहकारी मॉडल पर बढ़ावा देना होगा। मध्य प्रदेश की नई मत्स्य पालन नीति का लाभ बुंदेलखंड के तालाबों तक पहुँचना चाहिए ताकि पलायन कर रहे हाथ अपने ही गाँव में काम पा सकें।

बुंदेलखंड के किसानों और कारीगरों के साथ हो रहे आर्थिक शोषण को रोकने के लिए सहकारी समितियों का जाल बिछाना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। जब तक बिचौलियों का वर्चस्व समाप्त नहीं होगा, तब तक यूपी सरकार की एक जनपद–एक उत्पाद जैसी योजनाएं केवल विज्ञापनों तक सीमित रहेंगी। बुंदेलखंड के विशेष उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार और ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जोड़ना होगा ताकि मुनाफा सीधे उत्पादक की जेब में जाए। इसके अतिरिक्त, कृषि प्रधान क्षेत्र होने के नाते यहाँ छोटे स्तर की फूड प्रोसेसिंग इकाइयों की स्थापना करना भी अनिवार्य है। आटा मिल, तेल मिल और मसाला पैकेजिंग जैसी इकाइयाँ गाँवों में ही रोजगार के नए द्वार खोलेंगी।

बुंदेलखंड का भविष्य यहाँ के बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य और शिक्षा पर टिका है। कुपोषण की मार झेल रहे कोल आदिवासी क्षेत्रों में आंगनबाड़ियों को पुनर्जीवित करना होगा। यशोदा मातृ–शिशु पोषण मिशन जैसे कार्यक्रमों को केवल कागजों पर नहीं, बल्कि धरातल पर दूध और पौष्टिक आहार के साथ उतारना होगा। शिक्षा के क्षेत्र में, गरीब बच्चों के लिए विशेष छात्रवृत्ति और जिला स्तर पर सुपर 30 जैसे कोचिंग सेंटरों की स्थापना करनी होगी ताकि आर्थिक तंगी किसी मेधावी छात्र का रास्ता न रोक सके। लाड़ली बहना योजना में दी जाने वाली राशि को बढ़ाकर 3,000 रुपये करना और इसका दायरा बढ़ाना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।

कुल मिलाकर देखें तो बुंदेलखंड का विकास किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए एक एकीकृत कार्ययोजना की आवश्यकता है जिसकी समीक्षा स्वयं मुख्यमंत्री स्तर पर होनी चाहिए। औद्योगिक पैकजों का लाभ सीधे स्थानीय गरीब परिवारों को रोजगार के रूप में मिलना चाहिए। सरकार को यह समझना होगा कि बुंदेलखंड की जनता अब और इंतजार नहीं कर सकती। यदि सरकारें वास्तव में इस क्षेत्र को गरीबी मुक्त देखना चाहती है, तो उसे अपनी कार्यशैली में पारदर्शिता लानी होगी और इन दस सूत्रीय योजनाओं को मिशन मोड में लागू करना होगा। बुंदेलखंड का स्वाभिमान तभी लौटेगा जब यहाँ का हर हाथ काम पाएगा और हर परिवार अभावों से मुक्त होगा। अब समय आ गया है कि सरकार अपनी राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाए और बुंदेलखंड को विकास का नया कीर्तिमान बनाने में सहयोग करे, और यदि ऐसा करना संभव न हो तो केंद्र सरकार बुंदेलखंड को पृथक राज्य घोषित कर, इतिहास में दर्ज अन्य छोटे राज्यों की तरह बुंदेलखंड भी अपना रास्ता खुद बना लेगा।

आज का राशिफल

मेष राशि
आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही आपको सफलता दिला सकता है। आज पारिवारिक रिश्ते में गहराई और अपनापन आपको महसूस होगा।

वृष राशि–
आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आपको बड़ी खुशखबरी भी मिलने वाली है।

मिथुन राशि–
मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको किसी विशेष आयोजन में जाने का मौका मिलेगा और नई जानकारियां सीखने को मिलेंगी।

कर्क राशि–
कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है। आज आपकी सूझबूझ और विवेक से समस्याएं आसानी से हल हो जाएंगी।

सिंह राशि–
सिंह राशि वालों आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज परिवार संबंधी किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर सलाह–मशवरा होगा और इसके सकारात्मक नतीजे भी सामने आएंगे।

कन्या राशि–
कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। प्रॉपर्टी के सेल परचेज संबंधी कार्यवाही में सफलता मिलेगी।

तुला राशि–
तुला राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको अपने टारगेट को पूरा करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

वृश्चिक राशि–
वृश्चिक राशि वालों आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज व्यावसायिक संपर्कों को और मजबूत करने का प्रयास करेंगे। आज कारोबार में आपको फायदा होगा।

धनु राशि–
धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको वाद–विवाद से दूर रहना होगा। आज आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा। व्यापारी वर्ग को आज अच्छा लाभ होने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

मकर राशि–
मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला है। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढाई में अभी और मेहनत करने की जरुरत है।

कुम्भ राशि–
कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी काम को करने के नए तरीके पर विचार करेंगे इससे काम समय से व आसानी से पूरा हो जायेगा।

मीन राशि–
मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपकी निजी समस्या सुलझ जाने से मानसिक शांति मिलेगी। वर्कप्लेसल पर आपका काम अच्छा चलेगा। आपको किसी काम में मदद की जरूरत रहेगी, ।

सम्पादकीय

भारत पर गहरा असर

यूएई ने अमेरिका से डॉलर मुहैया कराने की मांग की है। कहा है कि ऐसा नहीं हुआ, तो वह चीनी मुद्रा में तेल बेचने को मजबूर हो जाएगा। ये घटना खाड़ी क्षेत्र में विकल्पों के तलाश का संकेत देती है। पश्चिम एशिया में जारी लड़ाई ने खाड़ी क्षेत्र की चूलें हिला दी हैं। ईरान के हमलों से खाड़ी देशों में जितना भौतिक नुकसान हुआ, उससे कहीं ज्यादा उनके इस भरोसे को चोट पहुंची कि अमेरिकी सुरक्षा कवच में वे महफूज हैं। इस कारण कई देश भविष्य के विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इसकी सबसे ताजा मिसाल अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल की ये खबर है कि यूएई ने अमेरिका से वित्तीय मदद मांगी है। यूएई के सेंट्रल बैंक के गवर्नर ने अमेरिकी वाणिज्य मंत्री स्कॉट बेसेंट को बताया कि युद्ध से अर्थव्यवस्था तथा वैश्विक वित्तीय केंद्र के रूप में यूएई की हैसियत के क्षतिग्रस्त हुई है।

इससे वे निवेशक भयभीत हैं, जो कभी निश्चिंत होकर वहां निवेश करते थे। नतीजतन, यूएई के पास डॉलर की कमी हो सकती है। वैसे हालात के लिए यूएई ने अमेरिका से स्वैप लाइन के तहत डॉलर मुहैया कराने की मांग की है। साथ ही कहा है कि अमेरिका ने ऐसा नहीं किया, तो यूएई चीनी मुद्रा युवान में तेल सहित अन्य सामग्रियों की बिक्री के लिए मजबूर हो जाएगा। यूएई के इजराइल और अमेरिका गहरे रिश्ते रहे हैं। इसी कारण वह ईरानी हमलों का सबसे अधिक शिकार हुआ। उससे वो मॉडल संदिग्ध हुआ है, जिस पर यूएई खड़ा था। तो उसने अपनी दुर्दशा की परोक्ष जिम्मेदारी अमेरिका पर डाली है और उससे भरपाई करने को कहा है। उधर सऊदी अरब का यह एलान भी महत्त्वपूर्ण है कि वह अपनी भूमि, वायु क्षेत्र या समुद्री क्षेत्र का उपयोग किसी भी ऐसे युद्ध के लिए अब नहीं होने देगा, जिसमें वह शामिल नहीं है।

सऊदी अरब ने अपने रक्षा समझौते तहत पाकिस्तान से लड़ाकू विमान और जमीनी फौज तैनात करने को कहा है। पाकिस्तानी सेना चीनी हथियारों और हार्डवेयर से लैस है। अतरू सऊदी अरब के इस कदम के पीछे भी दूरगामी संकेत देखे गए हैं। कतर, बहरहीन और कुवैत में भी आत्म– समीक्षा के संकेत हैं। भारत के लिए ये घटनाएं खास अहम हैं। वहां के बदलाव का भारत पर गहरा असर होगा, क्योंकि वो इलाका ऊर्जा का प्रमुख स्रोत है, तथा वहां लाखों भारतीय कर्मी काम करते हैं।

सेवा सेतु-छत्तीसगढ़ में सुशासन और डिजिटल क्रांति का नया अध्याय

छत्तीसगढ़ में शासन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जन–केंद्रित बनाने की दिशा में सेवा सेतु एक गेम–चेंजर पहल साबित हो रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रशासनिक सेवाओं को नागरिकों की उंगलियों तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी विजन का परिणाम है कि आज आय, जाति, निवास प्रमाण–पत्र से लेकर राशन कार्ड और भू–नकल तक की 441 से अधिक सेवाएं एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। डिजिटल युग में सुशासन का असली अर्थ है सेवाओं का सरलीकरण और समयबद्धता। सेवा सेतु इसी सोच को साकार कर रहा है, जो छत्तीसगढ़ की प्रशासनिक पहचान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार है।

डिजिटल सुशासन– कार्यालयों के चक्करों से मिली मुक्ति

एक समय था जब नागरिकों को प्रमाण–पत्र बनवाने जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए अलग–अलग सरकारी कार्यालयों की दौड़ लगानी पड़ती थी। इसमें न केवल समय और श्रम की बर्बादी होती थी, बल्कि बिचौलियों का डर भी बना रहता था। सेवा सेतु ने इस पारंपरिक ढर्रे को बदलते हुए वन स्टॉप सॉल्यूशन पेश किया है। अब नागरिक घर बैठे या नजदीकी लोक सेवा केंद्र से ऑनलाइन आवेदन कर निर्धारित समय–सीमा में सेवाओं का लाभ ले रहे हैं। तकनीकी उन्नयन की दिशा में राज्य ने लंबी छलांग लगाई है। छत्तीसगढ़ के पुराने ई–डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर जहाँ केवल 86 सेवाएं उपलब्ध थीं, वहीं नए और उन्नत सेवा सेतु प्लेटफॉर्म पर अब 441 सेवाएं लाइव हैं।इस पोर्टल पर 30 से अधिक विभागों को एक साथ जोड़ा गया हैइस नई सेवा में 54 नई सेवाओं के साथ विभिन्न विभागों की 329 री–डायरेक्ट सेवाओं का सफल एकीकरण किया गया है, जिससे नागरिकों को अलग–अलग पोर्टल्स पर भटकना नहीं पड़ता। छत्तीसगढ़ लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समय–सीमा में सेवा देना अब केवल कागजी नियम नहीं, बल्कि हकीकत है। पिछले 28 महीनों के आंकड़े इसकी सफलता की कहानी बयां करते हैं। कुल 75 लाख 70 हजार से अधिक आवेदनों में से 68 लाख 41 हजार से अधिक मामले का निराकरण किया जा चुका है। इस प्रकार 95 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निपटारा तय समय–सीमा

ज्वैलरी शोरूम में घुसकर महिला कर्मचारियों से छेड़छाड़, विरोध करने पर संचालक की पिटाई

मेरठ(आरएनएस)। सिविल लाइन क्षेत्र की रहने वाली ज्वैलरी शॉप की संचालिका ने इलाके के कुछ दबंगों पर अपने शोरूम में घुसकर महिला कर्मचारियों से छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि विरोध करने पर दबंगों ने उसके बेटों की पिटाई करते हुए लूटपाट भी की। घटना की सीसीटीवी फुटेज लेकर अधिकारियों से मिलने पहुंची महिला ने कार्यवाही की मांग की।सूरजकुंड रोड पर सिंघल ज्वैलर्स की संचालिका सरोज अग्रवाल शुक्रवार को अपनी महिला स्टाफ और बेटों के साथ एसएसपी ऑफिस पहुंचीं।शोरूम में काम करने वाली महिला कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि बृहस्पतिवार को वह शोरूम के पीछे बने गोदाम में खाना खा रही थीं। इसी दौरान क्षेत्र के रहने वाले कुछ दबंग गोदाम में दाखिल हो गए। जहां महिला कर्मचारियों पर अपने साथ लंच करने का दबाव बनाने लगे। युवतियों का शोर सुनकर संचालिका सरोज के बेटे पंकज और सनी मौके पर पहुंचे तो दबंगों ने उनकी पिटाई कर दी। इसी के साथ दुकान के गल्ले से 20 हजार कैश, एक सोने की चेन और दो अंगूठी लूटकर फरार हो गए। मारपीट की सीसीटीवी फुटेज अधिकारियों को दिखाते हुए सरोज ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

राज्य महिला आयोग की मा0 सदस्या डा0 हिमानी अग्रवाल ने सर्किट हाऊस में की महिला जनसुनवाई

मेरठ(आरएनएस)। आज सर्किट हाऊस में उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की मा0 सदस्या डा0 हिमानी अग्रवाल द्वारा महिलाओं से संबंधित मामलों में जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में पुलिस से संबंधित कुल 09 प्रकरणध्प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये। जिनमें मुख्य रूप से 'घरेलू हिंसा, मारपीट, संपत्ति विवाद तथा अन्य महिला उत्पीड़न से जुड़े मामले सम्मिलित थे। माननीय सदस्या द्वारा प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी मामलों का 'समयबद्ध, निष्पक्ष एवं प्रभावी निस्तारण' सुनिश्चित किया जाए। मा0 सदस्या डा0 हिमानी अग्रवाल ने कहा कि सभी अधिकारी महिलाओं की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता पर करें, जनसुनवाई के दौरान उन्होंने महिलाओं से कहा कि वह खुलकर अपनी बात रखें। उन्होने कहा कि पुलिस अधिकारी महिला उत्पीडन से संबंधित घटनाओं का संज्ञान प्राथमिकता पर लेते हुये त्वरित कार्यवाही करे। उन्होने कहा कि पीडित महिलाओ के लिए सरकार द्वारा विभिन्न कार्यक्रमध जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है, संबंधित विभागीय अधिकारी महिलाओ को सरकारी कार्यक्रम व योजनाओ से जोडकर लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकरी, पुलिस महिला थाना व थाना एएचटीयू प्रभारी, जिला मिशन कोर्डिनेटर, महिला एवं बाल विकास विभाग व विभिन्न विभागो से कर्मचारी उपस्थित रहे।

गोकशी,गोवध एवं संगठित अपराधों पर होगी कठोर कार्रवाही- डीएम व एसएसपी

आजमगढ़,। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में जिलाधिकारी कक्ष में गोकशी, गोवध, गैंगरेप, लूट, चोरी एवं अन्य संगठित अपराधों के विरुद्ध प्रभावी एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गैंगचार्ट अधिनियम के तहत परिशीलन बैठक सम्पन्न हुई।बैठक के दौरान विभिन्न थानों से प्राप्त गैंगचार्ट संबंधी प्रकरणों का गहन परीक्षण एवं व्यापक मंथन किया गया। अपराधियों के आपराधिक इतिहास, गतिविधियों एवं उनके विरुद्ध पूर्व में की गई कार्यवाहियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक विधिक एवं दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने कहा कि जनपद में कानून व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देशित किया कि समाज में भय एवं असुरक्षा का वातावरण उत्पन्न करने वाले अपराधियों के विरुद्ध गैंगस्टर अधिनियम सहित अन्य कठोर कानूनी प्रावधानों के अंतर्गत प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि गोकशी, गोवध, महिला अपराध, लूट, चोरी एवं संगठित अपराधों में संलिप्त अपराधियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपराधियों के विरुद्ध त्वरित एवं साक्ष्य आधारित कार्रवाई करते हुए अपराध नियंत्रण की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएं।बैठक में अपराध नियंत्रण, अभियोजन की मजबूती तथा अपराधियों की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अपराधियों की संपत्तियों के संबंध में भी आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाए, जिससे अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया कि जनपद में अमन–चैन, सामाजिक सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपराधियों के विरुद्ध लगातार कठोर अभियान चलाया जाएगा।बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन राहुल विश्वकर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने आजमगढ़वासियों से आनलाइन स्व-गणना करने की अपील

आजमगढ़

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ष्भारत की जनगणना 2027ष का पहला चरण, यानी मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (भ्स्व्), उत्तर प्रदेश में 22 मई 2026 से 20 जून 2026 तक निर्धारित है। जनगणना पदाधिकारियों द्वारा घरों की गणना से पहले, नागरिकों 15 दिनों की स्व–गणना (ैम्) की अवधि प्रदान की गयी है। उत्तर प्रदेश राज्य के लिए, स्व–गणना (ैम्) चरण 7 मई से 21 मई, 2026 तक निधारित है, जो मकान सूचीकरण कार्य (भ्स्व्) के प्रारम्भ के पहले है। स्व–गणना जनगणना 2027 के तहत एक प्रमुख पहल है जो परिवारों को अधिकारिक पोर्टल के माध्यम से सीधे ऑनलाइन अपनी जनगणना संबंधी जानकारी उपलब्ध करने में सक्षम बनाती है। स्व–गणना के माध्यम से प्रत्येक परिवार अपने मकान एवं परिवार से संबंधित विवरण स्वयं ऑनलाइन दर्ज कर सकता है, जिसमें आंकड़ों की शुद्धता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित होती है। भारत के सामान्य निवासी जनगणना पदाधिकारी के घर पर आने से

अंग्रेजी, हिन्दी और 14 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध (ैम्) पोर्टल की मदद से परिवार का कोई भी सदस्य लगभग 15–20 मिनट में प्रक्रिया पूरी कर सकता है। और अंतिम सबमिशन के बाद ष्म्ष् से शुरू होने वाली एक अद्वितीय 11 अंकों की स्व–गणना आईडी (ैम्प्क) जनरेट होती है इसको कही नोट करके रखलें या मोबाइल में सेव करलें और इस एसएमएस और (यदि उपलब्ध हो तो ईमेल) के माध्यम से परिवार के साथ साझा किया जाता है। एचएलओ के दौर के दौरान जनगणना डाटा को मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से सत्यापन के लिए इस ष्एसई आईडीष को प्रगणक को दिखाना आवश्यक है। एक मान्य एसई आईडी इस बात की पुष्टि करती है कि परिवार का डेटा सफलतापूर्वक दर्ज कर लिया गया है। अतः यह अत्यन्त आवश्यक है कि हम सभी इस प्रक्रिया के महत्व को समझें और इसमें सक्रिय सहभागिता करें। जनगणना निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ) के जनगणना प्रेषण कमांक 7 के अनुसार स्व–गणना अवधि (7 से 21 मई, 2026) में विशेष जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। के स्व–गणना साथ सत्र का अतः आपसे अपेक्षा है कि स्व–गणना अवधि (7 से 21 मई, 2026) में विशेष जनजागरूकता अभियान के पंचम दिवस (11 मई, 2026 दिन सोमवार) को आप स्वयं एवं अपने समस्त पदाधिकारीगण ६ सदस्यगण ६ मित्रजनों (ीजजचेरूध्ध्म.बमदेने.हवअ.पद) पर स्व–गणना कर इस अभिनव डिजिटल जनगणना प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता प्रदान करें। साथ ही, स्व–गणना करते समय की फोटो अपने सोशल मीडियाध व्हाट्सएप स्टेटस पर साझा कर जनसामान्य में जागरूकता प्रसारित करने का कष्ट करें तथा जनपद के अन्य नागरिकों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

बिना नंबर प्लेट तेज रफ्तार थार की चपेट में आने से एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

आजमगढ़ निजामाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत फरिहां बाजार में सुबह में 7.00 बजे एक बिना नंबर प्लेट तेज रफ्तार थार ने एक मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी ।जिससे मोटरसाइकिल सवार शमशाद उर्फ गुड्डू उम्र 50 वर्ष पुत्र फरियाद निवासी फरिहां थाना निजामाबाद व मनीष कुमार उम्र 18 वर्ष पुत्र हरिश्चंद निवासी फरिहा थाना निजामाबाद गंभीर रूप से घायल हो गए ग्रामीणों की मदद से आनन फा नन में घायलों को नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने शमशाद की हालत गंभीर देखते हुए शमशाद को जिला अस्पताल रिफर कर दिया और इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में ही शमशाद उर्फ गुड्डू की मौत हो गई शमशाद उर्फ गुड्डू के तीन पुत्र हैं। शमशाद की पत्नी की 6 वर्ष पहले मृत्यु हो चुकी है। जबसे शमशाद उर्फ गुड्डू की पत्नी की मौत हुई है तबसे शमशाद के पुत्रों का लालन–पालन क्षेत्र के समाजसेवी एवं यश पब्लिक स्कूल के मालिक विजय यादव द्वारा किया जा रहा है।

सेक्टर दो में दूसरे दिन, सेक्टर चार के चौराहे पर चौथे दिन भी जारी रहा महिलाओं का धरना

मेरठ(आरएनएस)। सेटबैक के विरोध में शास्त्रीनगर सेक्टर दो और सेक्टर चार में अलग–अलग स्थानों पर चल रहा शास्त्रीनगर की महिलाओं का धरना शुक्रवार को भी जारी रहा। इस दौरान धरने पर बैठी महिलाओं ने आवास विकास के अधिकारियों पर धरने में फूट डालने का आरोप लगाया है।सेक्टर चार के चौराहे पर चल रहा सेक्टर तीन और चार की महिलाओं का धरना शुक्रवार को चौथे दिन भी जारी रहा। धरने में बैठी बीना भार्गव सहित अन्य महिलाओं ने आरोप लगाया कि बृहस्पतिवार को जब उन्होंने आवास विकास कार्यालय पर प्रदर्शन किया। तब आवास विकास के अधिकारियों का कहना था कि सेक्टर दो में आने वाले 35 मीटर तक के भवन दुर्बल आय वर्ग में आते हैं। लिहाजा शायद उनमें सेटबैक के लिए राहत मिल जाए। लेकिन, सेक्टर तीन और चार में ऐसे भवनों को राहत नहीं मिलेगी जो 65 गज से ज्यादा के हैं। महिलाओं ने आरोप लगाया कि आवास विकास के अधिकारी छोटे और बड़े मकान की बात करके उनके धरने में फूट डालना चाहते हैं। उन्होंने साफ कहा कि जब तक सेटबैक का नियम पूरी तरह वापस नहीं लिया जाएगा, तब तक उनका धरना जारी रहेगा। उधर, इसी मुद्दे को लेकर सेक्टर दो में तिरंगा रोड पर बृहस्पतिवार को दोबारा से शुरू हुआ सेक्टर दो की महिलाओं का धरना शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। धरने पर बैठी महिलाओं का कहना है कि वह किसी भी सूरत में अपने मकानों में सेटबैक नहीं देंगी।

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को बड़ी राहत अब प्रीपेड नहीं, पोस्टपेड मोड में मिलेगा बिजली बिल-डीएम

आजमगढ़ । जिलाधिकारी रविंद कुमार ने शासन द्वारा आरडीएसएस योजना के अंतर्गत स्थापित समस्त स्मार्ट मीटर जो वर्तमान में प्रीपेड मोड में क्रियाशील हैं, उन्हें पोस्टपेड मोड में परिवर्तित करने का निर्णय लेने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने बताया कि आरडीएसएस योजना के अंतर्गत सभी विधाओं के सभी संयोजनों पर स्थापित समस्त स्मार्ट मीटर जो वर्तमान में प्रीपेड मोड में क्रियाशील हैं, उन्हें पोस्टपेड मोड में तत्काल परिवर्तित किया जा रहा है। प्रीपेड मोड से पोस्टपेड में परिवर्तन उ०प्र० पाकालि० मुख्यालय स्तर से संपादित किया जाएगा। सभी उपभोक्ताओं को माह मई–2026 की खपत का माह जून–2026 में देय बिल, पोस्टपेड पद्धति से निर्गत किया जाएगा। स्मार्ट पोस्टपेड मोड के सभी बिल उपभोक्ताओं को एसएमएसध्व्हाट्सएप के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। सभी स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को बिल प्रत्येक माह की 10 तारीख तक सृजित करना सुनिश्चित किया जाए। नॉन कम्यूनिकेशन अथवा नेटवर्क की समस्या के कारण संभव है कि अति अल्प संख्या में कुछ उपभोक्ताओं के स्मार्ट मीटरों की ऑटोमैटिक रीडिंग प्राप्त न हो सके। ऐसे समस्त प्रकरण जिनमें महीने की 5 तारीख तक ऑटोमैटिक रीडिंग प्राप्त न हो, उन सभी की मैनुअल रीडिंग ।डैप्ड के माध्यम से करा कर उपभोक्ता को बिल 10 तारीख तक अनिवार्यतः उपलब्ध करा दिया जाए। संभव है कि कतिपय उपभोक्ताओं का आरएमएस में मोबाईल नंबर रजिस्टर्ड नहीं है, त्रुटिपूर्ण है अथवा उपभोक्ता के वास्तविक मोबाईल नंबर से भिन्न हो, जिस कारण उपभोक्ता को एसएमएस या व्हाट्सएप के माध्यम से बिल प्राप्त न हो सके। इस हेतु डिस्कॉम द्वारा व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए कि जिन उपभोक्ताओं को समय से बिल न प्राप्त हो वो निम्न व्हाट्सएप चौटबोट पर संयोजन संख्या सूचित कर अपना बिल प्राप्त करें। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड .91 801–096–8292, किसी प्रकार की समस्या होने पर टोल फ्री नम्बर 1912 पर सम्पर्क करें। यूपी पीसीएल आपकी सेवा में सदैव तत्पर है। सभी नए संयोजन स्मार्ट मीटर के माध्यम से पोस्टपेड मोड में निर्गत किए जाएंगे।बैठक में जिलाधिकारी ने अधीक्षण अभियंता विद्युत को निर्देशित किया कि जर्जर व लटके तार आदि कमियों को दुरुस्त किया जाए। वर्षा ऋतु के पहले जो तार पेड़ों से सटे हुए हैं विद्युत विभाग उनकी सूची बनाकर प्रभागीय वनाधिकारी से समन्वय कर दुरुस्त कराया जाए। तहसील सगड़ी के अंतर्गत बाढ़ से प्रभावित लगभग 132 गांव में बाढ़ के दृष्टिगत तैयारी को पूर्ण कर लिया जाए। पीएम गति शक्ति योजना एवं झटपट पोर्टल पर प्रभावी कार्रवाई की जाए।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने अभियान चलाकर खाद्य तेल व घी के भरे गये 10 नमूने

आजमगढ़

आयुक्त महोदय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उ0प्र0 लखनऊ के आदेश एवं जिलाधिकारी महोदय आजमगढ़ से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में आमजनमानस को सुरक्षित एवं गुणवत्तापरक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराये जाने के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश राज्य में निर्मित खाद्य पदार्थ घी एवं खाद्य तेल के ब्राण्ड को छोडकर अन्य राज्यों में विनिर्मित होने वाले तथा अन्य देशों से आयातीत होने वाले घी एवं खाद्य तेल ब्राण्ड जो उत्तर प्रदेश राज्य में विक्रय किये जा रहें हैं के सम्बन्ध में प्रवर्तन कार्यवाही के दौरान विशेष प्रवर्तन दल द्वारा नगर पालिका परिषद क्षेत्र से 01 सरसों का तेल, 01 मल्टी सोर्स एडिबल आयल, 01 राइसब्रान आयल, 01 रिफाइण्ड सोयाबीन आयल तथा रानी की सराय सेठवल क्षेत्र से 01 गाय का घी, 01 मूंगफली का तेल, 01 राइस ब्रान आयल व लालगंज तहसील क्षेत्र से 01 रिफाइण्ड सोयाबीन आयल, निजामाबाद क्षेत्र से 01 रिफाइण्ड सोयाबीन आयल, फूलपुर क्षेत्र से 01 रिफाइण्ड सोयाबीन आयल का नमूना संग्रहित कर खाद्य प्रयोगशाला जांच हेतु प्रेषित किया गया। इस प्रकार उक्त अभियान के अन्तर्गत जनपद में अन्य प्रदेशों से निर्मित खाद्य तेल व घी के विक्रय के सम्बन्ध में कुल 19 खाद्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण कर कुल 10 नमूने संग्रहित किये गये। सहायक आयुक्त (खाद्य)–प्प आजमगढ़ श्री सुशील कुमार मिश्र ने बताया कि छापेमार दल द्वारा विभिन्न स्थानों पर जन जागरूकता कार्यक्रम भी किया गया, जिसमें लोगों को समझाया गया कि खाद्य तेल व घी तथा अन्य खाद्य सामग्रियों को क्रय करने से पहले उसकी बेस्ट बिफोर एवं एक्पायरी डेट जांच परख करने के पश्चात् ही क्रय करें। खाद्य कारोबारकर्ताओं को चेतावनी दी कि प्रतिष्ठान में साफ–सफाई एवं खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता सुनिश्चित करें। उक्त छापेमार दल में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री दीपक कुमार श्रीवास्तव एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारीगण श्री गोविन्द यादव, श्री राजीव कुमार सिंह, श्री संजय कुमार तिवारी, श्री सुचित प्रसाद, श्री लालमणि यादव, श्री शीत कुमार सिंह, श्री अमर नाथ, श्री रजनीश कुमार एवं श्रीमती बेबी सोनम शामिल रहें।

बंगाल विजय के उपरांत डा. ओंकार राय का आजमगढ़ में प्रथम आगमन, कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

आजमगढ़ जनपद के हरैया मंडल अंतर्गत मऊकुतुबपुर गांव में शुक्रवार को भारत सरकार कैज्च् के पूर्व महानिदेशक, स्टार्टअप ओडिशा के पूर्व डीजी एवं आइडिया स्टार्टअप पर्व के संस्थापक डॉ. ओंकार राय के पश्चिम बंगाल विजय के उपरांत प्रथम आगमन पर भारतीय जनता पार्टी के बिलरियागंज मंडल एवं हरैया मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा उनका आत्मीय एवं भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर आयोजित पत्रकार वार्ता में डॉ. ओंकार राय ने कहा कि पश्चिम बंगाल में मिली ऐतिहासिक सफलता भारतीय जनता पार्टी के समर्पित एवं देवतुल्य कार्यकर्ताओं के त्याग, तपस्या एवं अथक परिश्रम की विजय है। उन्होंने कहा कि यह सफलता देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी तथा पश्चिम बंगाल के प्रभारी श्री सुनील बंसल जी के कुशल नेतृत्व एवं रणनीति का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में लंबे समय से व्याप्त अराजकता, भ्रष्टाचार एवं लूट से आम जनमानस त्रस्त था और वहां की जनता परिवर्तन चाहती थी। देश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे कार्यकर्ताओं के संघर्ष एवं समर्पण को बंगाल की जनता ने सम्मान देते हुए भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक समर्थन प्रदान किया।

डॉ. राय ने कहा कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना आज साकार होता दिखाई दे रहा है तथा पश्चिम बंगाल में राष्ट्रवाद का भगवा ध्वज नई ऊर्जा के साथ लहरा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पश्चिम बंगाल की यह विजय आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा एवं लोकसभा चुनावों पर भी सकारात्मक प्रभाव डालेगी।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी दलों की बौखलाहट स्पष्ट दिखाई दे रही है। ईवीएम को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम एवं मनगढ़ंत आरोप उनकी हताशा का परिणाम हैं। जनता अब विकास, सुशासन एवं राष्ट्रहित की राजनीति के साथ खड़ी है।

उपचार के दौरान महिला की मौत, क्लिनिक सील, आरोपी हिरासत में

आजमगढ़ बरदह थाना बरदह क्षेत्र में एक महिला की उपचार के दौरान मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है, जबकि संबंधित क्लिनिक को सील कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम खम्हौली निवासी सुरेंद्र बिन्द ने थाना बरदह में तहरीर देकर आरोप लगाया कि 07 मई की शाम लगभग 6 बजे उनकी 32 वर्षीय पत्नी की तबीयत खराब होने पर उसे मुक्तिपुर स्थित एक निजी क्लिनिक में उपचार के लिए ले जाया गया। यह क्लिनिक चन्द्रसेन यादव द्वारा संचालित बताया गया है।

आरोप है कि उपचार के दौरान महिला की हालत में सुधार नहीं हुआ और समय पर उचित इलाज या रेफर न किए जाने के कारण उसकी मौत हो गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने मु0अ0सं0 159ध2026, धारा 105 भारतीय न्याय संहिता, 2023 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घटना की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग भी सक्रिय हुआ और मुख्य चिकित्साधिकारी के निर्देश पर संबंधित क्लिनिक को सील कर दिया गया। वहीं, पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया, जिसके बाद अंतिम संस्कार संपन्न कराया गया।

पुलिस ने आरोपी चन्द्रसेन यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय के तत्वाधान में आयोजित 'कला वर्षा 2026' में आज तीसरा दिन फैब्रिक पेंटिंग के नाम रहा

प्रदर्शनी में कई स्कूल से आए हुए बच्चों ने सुभारती फाइन आर्ट्स के कलाकारों द्वारा उकेरी गई चित्रों के साथ साथ फैशन डिजाइनिंग का ज्ञान प्राप्ति किया

एजेंसी

देहरादून। देहरादून में सुभारती ललित कला विभाग की ओर से आयोजित पंचम कला प्रदर्शनी "कला वर्षा 2026" का आज तीसरा दिन रहा।

देहरादून के कला प्रेमियों के लिए यह एक विशेष अवसर लेकर आई है "कला वर्षा 2026" वार्षिक कला प्रदर्शनी, जो चित्रा इंटरनेशनल आर्ट गैलरी, बल्लूपुर में 7 मई से 11 मई 2026 तक आयोजित हो रही है।

आज की प्रदर्शनी की मुख्य अतिथि सुश्री सुमित कौर थीं, जिनका सम्मान डीन डॉ. रीता तिवारी तथा विभाग के प्रमुख

डॉ. संतोष कुमार ने स्मृति चिह्न और पताका पहनाकर किया।

प्रदर्शनी में आज रेनबो चिल्ड्रन्स एकेडमी के विद्यार्थियों ने भ्रमण किया और उन्होंने सुभारती फाइन आर्ट्स के विद्यार्थियों की चित्रकृतियों एवं फैशन डिजाइन के कार्यों की प्रशंसा की। इसी के साथ आज इस प्रदर्शनी में कलाकार सुश्री सुमित कौर ने सुभारती विश्वविद्यालय के बच्चों के बीच फैब्रिक पेंटिंग का जीवंत प्रदर्शन (डेमोन्स्ट्रेशन) भी दिया। उन्होंने सभी बच्चों के कार्यों को ध्यानपूर्वक देखते हुए उनकी पेंटिंग्स या इंस्टालेशन के बारे में बच्चों को समझाया और भविष्य में किस प्रकार फैब्रिक पेंटिंग तथा अन्य नए.नए सामग्रियों पर काम किया जा सकता है, इस पर भी बच्चों से विचार.विमर्श किया।

यह पाँचवीं वार्षिक कला प्रदर्शनी "कला वर्षा 2026" युवा एवं उभरते हुए कलाकारों की सृजनात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित कर रही है। यह प्रदर्शनी देहरादून के सभी निवासियों और कला प्रेमियों को अवश्य देखनी चाहिए, क्योंकि यह प्रदर्शनी समाज के कई पहलुओं को जोड़ते हुए तैयार की गई है।

इस भव्य आयोजन का संयोजन डॉ. मुक्ति भटनागर, सुभारती स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स एण्ड फैशन डिजाइन द्वारा किया जा रहा है, जो रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय, देहरादून से संबद्ध है। यह प्रदर्शनी स्वर्गीय संघमाता डॉ. मुक्ति भटनागर को समर्पित है।

इस कार्यक्रम के प्रायोजक हैंरू स्वर्णयुग डिजाइन कंसल्ट, देहरादूनय एलिफेंटा कलर्सय सवारिया स्टेशनरी स्टोर, देहरादूनय तथा कथकल्या अकादमी, देहरादून।

इस अवसर पर असिस्टेन्ट डायरेक्टर (अकादमिक) सुश्री अवनी कमल ने कहा कि इस प्रकार के जीवंत प्रदर्शनों से बच्चों को नई.नई तकनीकों और आज के समय में चल रही समकालीन कला के बारे में जानने और समझने का एक नया वातावरण मिलता है, जिससे उनके अंदर एक नई ऊर्जा का संचार होता है।

इस अवसर पर सुभारती विश्वविद्यालय के डीन और विभाग के शैक्षिक प्रमुख के साथ.साथ विभाग के सम्मानित शिक्षक गीतिका, अयुष, मनोज, नमन पॉल, दीपक, अंकुश, शैलाफाली, ऊर्वशी, डॉ. मनु शर्मा, शारुख आदि उपस्थित रहे।

जीजा ने छुरी निकालकर किया हमला

सरधना (मेरठ)(आरएनएस)। सरधना थाना क्षेत्र के ईदगाह रोड स्थित नई बस्ती में शुक्रवार को जीजा ने अपनी साली के घर में घुसकर छुरी से ताबड़तोड़ प्रहार कर दिए। जिसमें वह गंभीर घायल हो गई। तभी आसपास के लोगों ने शोर–शराबा होने पर मौके पर पहुंचकर आरोपित को पकड़ लिया और मारपीट की।वही सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपित को थाने ले आई। स्वजन ने घायल महिला को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत गंभीर बताई गई है। पुलिस की प्राथमिकत जांच में मामला परिवारिक विवाद का आया है।ईदगाह रोड नई बस्ती निवासी इसराना पत्नी अलाउद्दीन अपने घर खाना बना रही थी। आरोप है कि तभी उसका बागपत जिले का बड़ौत निवासी जीजा फुरकान पहुंच गया। उसके लिए इसराना पानी लेकर आई, तभी आरोपित ने छुरी निकाल कर उस पर कई वार कर दिए और वह लहुलुहान होकर जमीन पर गिर गई। शोर–शराबा होने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और आरोपित को पकड़ लिया जिसके बाद लोगों ने आरोपित की पिटाई की। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस आरोपित को थाने ले गई। उधर स्वजन ने घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया।चारों तरफ पड़ा था खून ही खून, छुरी बरामद आरोपित द्वारा वारदात को अंजाम देने के बाद घर में चारों ओर खून ही खून पड़ा था। जिसे देख आसपास के लोग सहम गए। वही रोटी भी जमीन पर पड़ी थी। आसपास के लोगों ने बताया कि आरोपित फुरकान हत्या की वारदात को अंजाम देने आया था। इस दौरान पुलिस ने घटना में प्रयुक्त छुरी भी बरामद की।

मेरठ में सड़कों पर रख दिया सिलिंडर और लगाया जाम, एजेंसी बोली- अब देंगे होम डिलीवरी

मेरठ(आरएनएस)। बुकिंग के बाद भी गैस सिलिंडर नहीं मिलने पर महिलाओं व लोगों ने जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सिलिंडर सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। इससे आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। सूचना पर पहुंची नौचंदी थाना पुलिस ने किसी तरह समझाकर प्रदर्शनकारियों को शांत किया। गैस एजेंसी संचालक ने लोगों को सिलिंडर की होम डिलीवरी दिलाकर शांत किया।प्रदर्शनकारी महिलाओं ने बताया कि उन्होंने कई दिन पहले भारत पेट्रोलियम की सूरजकुंड स्थित सविता गैस एजेंसी गैस सिलिंडर बुक कराया था। कंपनी की ओर से डिलीवरी डेट दी गई थी। दिए गए दिन वह गोदाम पर सिलिंडर लेने पहुंच गए।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 10 मई 2026
sheelshukla100@gmail.com

प्राथमिक शिक्षक पदाधिकारियों का विस्तार, टेट, पुरानी पेंशन, जनगणना डियूटी को लेकर बनी संघर्ष की रणनीति

मजबूत संगठन से ही शिक्षकों को मिल सकेंगे अधिकार- उदयशंकर शुक्ल

बस्ती। शुक्रवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक की आवश्यक बैठक प्रेस क्लब सभागार में जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में टेट की वापसी, पुरानी पेंशन बहाली, जनगणना कार्य में असाध्य बीमारी, गर्भवती शिक्षिकाओं, दिव्यांग, प्रसव कालीन एवं बाल्य देखभाल अवकाश, पति, पत्नी दोनों की डियूटी लगाये जाने के मामलों में सम्बंधित को डियूटी से मुक्त करने पर विचार किया गया। इसके साथ ही सांगठनिक मजबूती की दृष्टि से गिरजेश उपाध्याय, उपेन्द्र पाण्डेय, कृष्ण कुमार को जिला उपाध्यक्ष, राजकुमार पाल, हरिश्चन्द्र यादव को जिला संगठन मंत्री, हरीश चौधरी को कुदरहा ब्लाक मंत्री और अमित श्रीवास्तव को सर्व सम्मत से ब्लाक कोषाध्यक्ष घोषित किया गया। इसी कड़ी में राम कृपाल और राम यज्ञ वर्मा को गौर ब्लाक का वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कैलाशनाथ और अमित कुमार गुप्त को उपाध्यक्ष, सत्य प्रकाश को बनकटी ब्लाक उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया।बैठक को सम्बोधित करते हुये संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि विपरीत समय में मजबूत संगठन और परस्पर एकजुटता से ही समस्याओं का प्रभावी समाधान हो सकेगा। जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आनन्द दूबे, संयुक्त मंत्री राजकुमार सिंह, सदर ब्लाक अध्यक्ष शैल शुक्ल, साऊंघाट ब्लाक अध्यक्ष अभिषेक उपाध्याय, कुदरहा ब्लाक अध्यक्ष ओम प्रकाश पाण्डेय, कप्तानगंज ब्लाक अध्यक्ष स्कन्द मिश्र, परसरामपुर ब्लाक अध्यक्ष नरेन्द्र दूबे, मंत्री राजीव पाण्डेय, रूधौली अध्यक्ष रजनीश मिश्र, बहादुरपुर ब्लाक अध्यक्ष रीता शुक्ला, सरिता तिवारी, दुबौलिया ब्लाक अध्यक्ष दिवाकर सिंह, उमाशंकर मणि, पटेश्वरी प्रसाद निषाद, आशुतोष शुक्ल, सतीश शंकर शुक्ल, सरिता पाण्डेय, विकास पाण्डेय, प्रदीप मिश्र, कुलदीप तिवारी, ज्ञानेश्वर शुक्ल आदि ने सम्बोधित करते हुये शिक्षक समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।यह जानकारी देते हुये जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने बताया कि बैठक में मुख्य रूप से रक्षाराम वर्मा, मो. इकबाल, चन्द्रशेखर शर्मा, अमित कुमार पाण्डेय, माधवी शुक्ल, चन्द्रमणि विश्वकर्मा, किरन देवी, वंदना पाण्डेय, किरन चौधरी, विजय वर्मा, महारानी लाल कुंवर, गीतांजलि, प्रणव मिश्र, सुषमा, रेखा पाण्डेय, नीलम, आशा तिवारी, संध्या तिवारी, इन्दुबाला त्रिपाठी, मंजू पाण्डेय, कनीज फिजा रिजवी, दुर्गेश राव, अतुल कृष्ण राज, नवीन चौधरी, रवि प्रताप सिंह, कैलाश नाथ, वृजेश कुमार पाण्डेय, मारूफ खान, अवध नरायन शुक्ल, सुषमा सिंह, अनुप्रिया पाण्डेय, पूजा मिश्र, जय प्रकाश शुक्ल, सरिता, ओंकारनाथ उपाध्याय के साथ ही बड़ी संख्या में शिक्षक और संघ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अखिलेश पाण्डेय अध्यक्ष, मुरलीधर मंत्री निर्वाचित

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई गौर का त्रैवार्षिक अधिवेशन शुक्रवार को ब्लॉक सभागार गौर में संपन्न हुआ। अधिवेशन में संगठन की नई कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न हुआ। इस दौरान सर्वसम्मति से लगातार दूसरी बार अखिलेश पाण्डेय को अध्यक्ष तथा मुरलीधर को मंत्री पद के लिए निर्वाचित किया गया। साथ ही अन्य पदों पर भी शिक्षकों का मनोनयन किया गया। अधिवेशन में बड़ी संख्या में शिक्षकों की भागीदारी रही। चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न हुई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शिक्षकों ने फूल–मालाओं से स्वागत किया और उनके नेतृत्व में संगठन के और अधिक सशक्त होने की उम्मीद जताई।मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख गौर जटाशंकर शुक्ल द्वारा सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। चुनाव पर्यवेक्षक दुर्गेश यादव, चुनाव अधिकारी उमाशंकर पाण्डेय और सुधीर तिवारी के देखरेख में चुनाव सम्पन्न हुआ। किसी भी पद पर एक से अधिक प्रत्याशी न होने के कारण सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन का कार्य पूर्ण हुआ। अध्यक्ष और मंत्री के अलावा वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर कृष्णधर दुबे और हरिओम चौधरी उपाध्यक्ष पद पर वैभव पाण्डेय, इंद्र प्रताप शुक्ला, घनश्याम यादव, राजू वर्मा, लाल जी, अमन कुमार और स्पर्धा वर्मा संयुक्त मंत्री पद पर मनु प्रकाश श्रीवास्तव, संगठन मंत्री पद पर नंदकुमार शुक्ला, शैलेंद्र कुमार राय, ओम जी माथुर, अवनीश पाल, सुमित कुमार यादव, रजनीश सिंह, राहुल कुमार राणा और रुचि शुक्ला, प्रचार मंत्री पद पर पवन कुमार, शैलेंद्र चौधरी, लालचंद, रजनीश कुमार और रजनी मिश्रा, कोषाध्यक्ष पद पर अनिल कुमार कनौजिया, लेखाकार पद पर अरविंद यादव, आय व्यय निरीक्षक पद पर जनार्दन प्रसाद पाण्डेय को निर्वाचित किया गया। मुख्य अतिथि ने शिक्षकों को समाज का दर्पण बताते हुए विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह ने कहा कि अपने अधिकारों के लिए शिक्षक एकजुट रहें। उन्होंने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को अपने कार्य एवं दायित्वों के प्रति सजग रहने की बात कही। जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा द्वारा बताया गया कि ब्लॉकों के निर्वाचन की प्रक्रिया निरंतर चलती रहेगी इसी क्रम में 9 मई को विक्रमजोत ब्लॉक का अधिवेशन सुनिश्चित है। शिक्षक अपनी एकता से संघर्ष के लिए तत्पर हैं और बिना संघर्ष के अब कोई सुविधा मिलने वाली नहीं है।

बहुचर्चित जिम धर्मांतरण कांड में पुलिस ने दाखिल किए 6 हजार पेज की चार्जशीट, 10 आरोपी जेल में

मीरजापुर(आरएनएस)। जिम में लड़कियों को ब्लैकमेल कर धर्मांतरण कराने के सनसनीखेज मामले में देहात कोतवाली पुलिस ने न्यायालय में 6 हजार पेज का आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। दरअसल, यह पूरा मामला मीरजापुर शहर के उन पांच 5 जिमों से जुड़ा हुआ है जहां लड़कियों से दोस्ती कर उन्हें प्रेम जाल में फंसाया जाता था। इसके बाद उनका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया जाता था। आरोपियों पर अवैध वसूली और धर्मांतरण कराने का भी आरोप लगा है। इस मामले में पुलिस अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। जिला जज पहले ही सभी आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर चुके हैं। पुलिस की जांच में सामने आया है कि जिम में आने वाली लड़कियों और महिलाओं को टारगेट कर यह पूरा खेल चलाया जा रहा था। 6 हजार पेज की चार्ज शीट में कई अहम सबूत शामिल किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने जानकारी देते हुए बताया कि जिम में लड़कियों को ब्लैकमेल कर धर्मांतरण कराने का आरोप लगाया गया था। मामले में अबतक 11 आरोपियो को भेजा जा चुका है जेल जिम में जाने वाली लड़कियो से दोस्ती कर प्रेम जाल में फंसा कर अवैध वसूली और धर्मांतरण का होता था खेल, लड़कियों और महिलाओ का वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करते थे। मामले में जिला जज पहले ही आरोपियों की जमानत खारिज कर चुके है। इस मामले में देहात कोतवाली पुलिस ने न्यायालय में 6 हजार पेज का आरोप पत्र दाखिल किया है।

शिविर लगाकर टीबी मरीजों को किया गया जागरूक

मीरजापुर(आरएनएस)। लालगंज विकास खंड क्षेत्र के खजुरी गांव में शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज की टीम ने चौपाल लगाकर लोगों को क्षय रोग के बारे में जागरूक किया। शिविर में हाई रिस्क गांवों में हैंड हेल्ड एक्स–रे मशीन से स्क्रीनिंग कर मरीजों को पहचान कर निःशुल्क इलाज से जोड़ा जा रहा है। वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक शमीम अहमद ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार टीबी की पहचान और समय से उपचार सुनिश्चित करने के लिए 100 दिवसीय सघन टीबी रोगी खोजी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत विकास खण्ड लालगंज के खजुरी गांव में स्वास्थ्य विभाग लालगंज ने चौपाल लगाकर लोगों को क्षय रोग के बारे में जागरूक करते हुए शिविर लगाकर इस अभियान में हाई रिस्क गांवों में हैंड हेल्ड एक्स रे मशीन से स्क्रीनिंग कर मरीजों को पहचान कर निः शुल्क इलाज से जोड़ा जा रहा है। सभी लोगों को लक्षण और उपचार और सरकारी लाभ के बारे में जानकारी दी गई। आशा रीता देवी और ग्राम प्रधान रहीश अहमद के सहयोग से गांव के लोगों को प्रेरित कर कुल 85 मरीजों का एक्स रे किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉक्टर संजय सिंह ने कहा कि टीबी एक संक्रामक बीमारी है लेकिन नियमित दवा और समय पर उपचार से पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। शिविर में शमीम अहमद वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक, सुजीत कुमार मिश्रा एक्स रे टेक्निशन, अजीत कुमार सिंह, आशा रीता देवी, बृजेश बिंद, बाबूलाल आदि लोग मौजूद रहे।

केक काटकर मनाया गया अन्तर्राष्ट्रीय रेडक्रास दिवस

बस्ती । अन्तर्राष्ट्रीय रेडक्रास दिवस के अवसर पर शुक्रवार को मालवीय रोड स्थित बादशाही अखाडा पर रेडक्रास के पूर्व सचिव कुलवेन्द्र सिंह के संयोजन में केक काटकर खुशियों को साझा को साझा किया गया। विश्व शांति, सेवा के क्षेत्र में रेड क्रास के महत्व पर चर्चा की गई। इस परम्परा को और समृद्ध बनाये जाने पर रेडक्रास सदस्यों ने जोर दिया।रेडक्रास के पूर्व सचिव कुलवेन्द्र सिंह ने बताया कि जीन हेनरी ड्यूनेंट स्विस मानवतावादी, व्यापारी और सामाजिक कार्यकर्ता थे, हेनरी ड्यूनेंट का जन्म 8 मई 1828 को स्विट्जरलैंड के जिनेवा शहर में हुआ था, उन्हें 1901 में दुनिया का पहला नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था। उन्होंने 1863 में इंटरनेशनल ऑफ द रेड क्रॉस की स्थापना की थी। रेडक्रास के वरिष्ठ सदस्य डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि रेडक्रास हमें सेवा और मानवता की रक्षा के क्षेत्र में अवसर प्रदान करता है।कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजेन्द्र सिंह, लाडले हैदर रिज्वी, शाशंक राजगढ़िया, सन्तोष कुमार जायसवाल, मनोज यादव , गुरुचरन सिंह चावला, शोयब रहमान, विनय मौर्या,एस के दुबे,अतीत पाण्डेय, दिवेश तिवारी, अभिषेक गुप्ता, सचिन श्रीवास्तव,विमल पान्डेय,काजी फरजान राकेश कुमार सौरभ यादव, ईश्वर चंद्र आदि उपस्थित रहे।

केक काटकर मनाया गया अन्तर्राष्ट्रीय रेडक्रास दिवस

बस्ती । अन्तर्राष्ट्रीय रेडक्रास दिवस के अवसर पर शुक्रवार को मालवीय रोड स्थित बादशाही अखाडा पर रेडक्रास के पूर्व सचिव कुलवेन्द्र सिंह के संयोजन में केक काटकर खुशियों को साझा को साझा किया गया। विश्व शांति, सेवा के क्षेत्र में रेड क्रास के महत्व पर चर्चा की गई। इस परम्परा को और समृद्ध बनाये जाने पर रेडक्रास सदस्यों ने जोर दिया।रेडक्रास के पूर्व सचिव कुलवेन्द्र सिंह ने बताया कि जीन हेनरी ड्यूनेंट स्विस मानवतावादी, व्यापारी और सामाजिक कार्यकर्ता थे, हेनरी ड्यूनेंट का जन्म 8 मई 1828 को स्विट्जरलैंड के जिनेवा शहर में हुआ था, उन्हें 1901 में दुनिया का पहला नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया था। उन्होंने 1863 में इंटरनेशनल ऑफ द रेड क्रॉस की स्थापना की थी। रेडक्रास के वरिष्ठ सदस्य डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि रेडक्रास हमें सेवा और मानवता की रक्षा के क्षेत्र में अवसर प्रदान करता है।कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजेन्द्र सिंह, लाडले हैदर रिज्वी, शाशंक राजगढ़िया, सन्तोष कुमार जायसवाल, मनोज यादव , गुरुचरन सिंह चावला, शोयब रहमान, विनय मौर्या,एस के दुबे,अतीत पाण्डेय, दिवेश तिवारी, अभिषेक गुप्ता, सचिन श्रीवास्तव,विमल पान्डेय,काजी फरजान राकेश कुमार सौरभ यादव, ईश्वर चंद्र आदि उपस्थित रहे।

डायट परिसर में माँ सरस्वती की प्रतिमा का भव्य अनावरण

शैक्षणिक वातावरण को नई पहचान देगी माँ सरस्वती की प्रतिमा - आनन्दकर पाण्डेय

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के परिसर में शुक्रवार को माँ सरस्वती की प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूजा–अर्चना के साथ हुआ। प्रतिमा का अनावरण मुख्य अतिथि संयुक्त शिक्षा निदेशक आनंदकर पाण्डेय एवं डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल के द्वारा किया गया।डायट प्रशिक्षु पं.इंद्रभान पाण्डेय की अगुवाई में विद्वान ब्राह्मणों के दल ने विधि–विधान से प्रतिमा का पूजन, हवन एवं मूर्ति पूजा संपन्न कराई। श्वेत संगमरमर से निर्मित इस मनोहारी प्रतिमा में माँ सरस्वती हंसारूढ़ होकर वीणा वादन करती दर्शायी गई हैं। प्रतिमा को संस्थान के मुख्य शैक्षिक भवन के सामने विशेष रूप से निर्मित वेदिका पर स्थापित किया गया है। कार्यक्रम में डायट प्रशिक्षुओं ने या कुन्देन्दु तुषार हार धवला सरस्वती वंदना तथा जय जय हे भगवती सुर भारती समूह गान प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरा परिसर पीले वस्त्र, आम के पत्तों की बंदनवार और पुष्प सज्जा से आच्छादित था। मुख्य अतिथि ने कहा कि डायट शिक्षकों का निर्माण स्थल है। माँ सरस्वती की यह प्रतिमा यहाँ आने वाले हर डीएलएड प्रशिक्षु और सेवारत शिक्षकों को निरंतर कर्तव्यबोध कराती रहेगी। ज्ञान, कला और संगीत की देवी का आशीर्वाद लेकर ही एक शिक्षक समाज में प्रकाश फैला सकता है। निश्चित रूप से यह प्रतिमा शिक्षण वातावरण को नई पहचान देगी। डायट प्राचार्य ने कहा कि यह दिन संस्थान के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने घोषणा किया कि अब प्रत्येक वर्ष बसंत पंचमी पर यहाँ भव्य सरस्वती पूजन व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। साथ ही वशिष्ठ ज्ञान प्रवाह पत्रिका का विमोचन भी इसी वेदिका से किया जाएगा। प्रवक्ता अलाउद्दीन खान एवं डॉ गोविन्द प्रसाद ने कहा कि माँ सरस्वती की कृपा से डायट बस्ती शैक्षिक उत्कृष्टता का नया केंद्र बनेगा। कार्यक्रम का संचालन डायट प्रवक्ता डॉ गोविन्द प्रसाद ने किया। इस अवसर पर डायट प्रवक्ता वर्षा पटेल, सरिता चौधरी, कल्याण पाण्डेय, डॉ रविनाथ, वंदना चौधरी, अमन सेन, शशिदर्शन त्रिपाठी, मोहम्मद इमरान, कुलदीप चौधरी, जिला समन्वयक, एसआरजी, एआरपी, जनपद के विभिन्न ब्लॉकों के खंड शिक्षा अधिकारी, कनिष्क सहायक अनिल चौधरी, रमाकांत गौतम एवं समस्त डीएलएड प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

जल शक्तिमंत्री के गृहक्षेत्र में प्रदर्शन

मीरजापुर(आरएनएस)। यूपी के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के गृह क्षेत्र में जल जीवन मिशन से जुड़े हुए कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि को लेकर धरना–प्रदर्शन किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें जो राशि प्रदान की जाती है वह इस मंहगाई के दौर में अपर्याप्त है। मीरजापुर जिले के नारायणपुर विकासखंड के अदालहाट क्षेत्र स्थित गठौरा कोडिया कला (डब्ल्यू टीपी) ऑफिस पर शुक्रवार को जल जीवन निगम के कर्मचारियों ने धरना–प्रदर्शन किया। कर्मचारी वेतन वृद्धि और बेहतर कार्य परिस्थितियों की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने बताया कि उनसे प्रतिदिन 12 घंटे काम लिया जाता है और उन्हें रविवार को भी छुट्टी नहीं दी जाती। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें प्रति माह 12,000 रुपये का वेतन मिलता है, जिसमें से किसी न किसी कारण से कुछ पैसे काट लिए जाते हैं। प्रदर्शन की जानकारी होने पर संबंधित विभाग में हड़कंप मचा रहा है। नाराज कर्मचारियों को मनाने का क्रम जारी रहा है।

बिना मान्यता संचालित बचपन प्ले स्कूल पर कार्रवाई के निर्देश, एबीएसए ने दिया कड़ी चतावनी

बस्ती। शहर के नगर क्षेत्र के रंजीत चौराहे के पास संचालित एक बचपन प्ले स्कूल के खिलाफ गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। खण्ड शिक्षा अधिकारी, नगर क्षेत्र विनोद कुमार त्रिपाठी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि बचपन प्ले स्कूल द्वारा बिना मान्यता के नर्सरी से कक्षा 5 तक की कक्षाएं अवैध रूप से चलाई जा रही थीं।शिकायत के अनुसार, यह विद्यालय कई वर्षों से नियमों का उल्लंघन करते हुए संचालित हो रहा है। संस्था को केवल नर्सरी से यूकेजी तक की कक्षाएं चलाने की अनुमति थी, लेकिन इसके बावजूद कक्षा 1 से 5 तक की पढ़ाई कराई जा रही थी। इतना ही नहीं, छात्रों को दूसरे विद्यालय के नाम से टीसी (ट्रांसफर सर्टिफिकेट) जारी करने की भी बात सामने आई है।खण्ड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार त्रिपाठी ने बताया कि विद्यालय को पहले भी नोटिस जारी किया जा चुका है, लेकिन इसके बावजूद नियमों की अनदेखी जारी रही। अब सख्त रुख अपनाते हुए विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया गया है कि कक्षा 1 से 3 तक के सभी बच्चों का नामांकन तुरंत किसी मान्यता प्राप्त या नजदीकी परिषदीय विद्यालय में कराया जाए और इसकी सूचना 2 दिनों के भीतर विभाग को दी जाए।अधिकारी ने चेतावनी दी है कि आदेश का पालन न करने की स्थिति में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए विभागीय कार्रवाई की जाएगी। इस मामले की सूचना जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बस्ती को भी भेजा गया है।

ब्रेकर से उछलकर डिवाइडर से भिड़ी बाइक पर सवार दो युवक घायल

मीरजापुर(आरएनएस)। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के रीवा मिर्जापुर हाईवे पर स्थित दुर्जनीपुर ओवर ब्रिज के नीचे सर्विस रोड पर बृहस्पतिवार की रात दस बजे ब्रेकर पर बाइक उछलने के बाद डिवाइडर से टकराकर बाइक पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची सरकारी एंबुलेस से दोनों घायल युवकों को सीएचसी लालगंज ले जाया गया। लालगंज थाना क्षेत्र के तुलसी गांव निवासी रितेश पटेल (25) लहंगपुर निवासी आयुष मौर्य (23) के साथ बाइक से कहीं निमंत्रण में शामिल होने के लिए जा रहे थे। उसी दौरान रात दस बजे दुर्जनीपुर के पास ब्रेकर पर उछलकर बाइक डिवाइडर से टकरा गई। जिससे दोनों युवक घायल हो गए। एंबुलेंस के ईएमटी दीपक कुमार यादव ने बताया कि रितेश पटेल गंभीर रूप से घायल थे, आयुष को सामान्य चोट लगी थी। रितेश के चाचा विजय पटेल ने बताया कि गंभीर चोट के चलते चिकित्सक द्वारा उनके भतीजे को मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया।

वन विभाग ने रेस्क्यू कर तेंदूए को पकड़ा, लोगो ने ली राहत की सांस

कुशीनगर,(आरएनएस)। जनपद के पडरौना रेंज के कंठी छपरा गांव में बीती रात एक तेंदुआ के दिखाई देने से लोगों में दहशत कायम हो गया। ग्रामीणो की सूचना पर गांव में पहुंचे वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर तेंदुए को पकड़ कर शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान भेज दिया। तेंदूए के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। जानकारी के अनुसार पडरौना रेंज के ग्राम कंठी छपरा में बीते 07ध्08 मई की रात लगभग 12.50 बजे एक तेंदुआ दिखाई दिया। ग्रामीण ने इसकी सूचना तत्काल वन विभाग के अधिकारियों को दी। सूचना के आधार पर तत्काल वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। लेकिन उस समय तेंदुआ दिखाई नहीं दिया। इसके उपरांत टीम ने आसपास के इलाके में कांम्बिग अभियान चला कर आमजन को मानव वन्यजीव संघर्ष के बचाव हेतु जागरूक किया। कॉम्बिंग अभियान के दौरान प्रातः लगभग 6रू15 बजे ग्राम पुर्नहा मिश्र के ग्रामीणों द्वारा सूचना दी गई कि तेंदुआ एक निर्माणाधीन मकान में छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और कुछ समय बाद तेंदुआ खड़ंजा मार्ग से होते हुए ग्राम सभा से बाहर एक पुलिया में जाकर बैठ गया। टीम ने तत्परता एवं सूझबूझ का परिचय देते हुए क्षेत्र के आमजन को सुरक्षित किया तथा तेंदुए को भीड़ से बचाने एवं सुरक्षित पकड़ने के लिए पिंजरा एवं जाल का उपयोग किया। घटना की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को दी गई। प्राप्त निर्देशों के क्रम में डॉ० योगेश प्रताप सिंह वेट, शहीद अशफाक उल्ला खाँ प्राणि उद्यान की टीम अविलम्ब ग्राम पुर्नहा मिश्र टोले में पहुंच गयी और जहां तेंदुए को ट्रैंक्यूलाइज कर सफलतापूर्वक पकड़ लिया। रेस्क्यू के उपरांत तेंदुए को स्वास्थ्य परीक्षण हेतु शहीद अशफाक उल्ला खाँ प्राणि उद्यान भेजा गया। इस रेस्क्यू अभियान में प्रभागीय वनाधिकारी कुशीनगर एवं डॉ० योगेश प्रताप सिंह (वेट), क्षेत्रीय वन अधिकारी पड़रौना, क्षेत्रीय वन अधिकारी तमकुही तथा उनके अधीनस्थ स्टाफ अमित तिवारी उप क्षेत्रीय वन अधिकारी, दिवाकर यादव वन दरोगा, संदीप पटेल, आकाश चन्द्र त्रिपाठी वनरक्षक सहित वन विभाग के अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

कूड़ा गाड़ी नहीं देने वाले फर्म के खिलाफ मुकदमा दर्ज, पुलिस मामले की जांच में जुटी

कुशीनगर,। जनपद के तमकुही विकास खण्ड के ग्राम पंचायत बसडीला पाण्डेय में कुडा गाड़ी के लिए गांव सभा द्वारा एक फर्म को किए गए भुगतान के बाद भी कुडा गाड़ी उपलब्ध नहीं कराने के मामले में मुकामी पुलिस ने फर्म के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। तमकुही विकास खण्ड के ग्राम पंचायत बसडीला पाण्डेय के ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी द्वारा पुलिस को दिए तहरीर में कहा है कि शासन के मंशा के अनुरूप ग्राम पंचायत द्वारा कुडा गाड़ी के लिए पडरौना नगर के छावनी मुहल्ला स्थित राधा कृष्णा इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर विशाल सिंह ने लौजारी गुडस प्राइवेट लिमिटेड लखनऊ के बैंक खाते में कूड़ा गाड़ी के आपूर्ति के लिए 164800 रूपये का भुगतान कराया। भुगतान के बावजूद उक्त फर्म द्वारा अभी तक कूड़ा गाड़ी उपलब्ध नहीं कराया गया है। तहरीर में कहा गया है कि ग्राम पंचायत बसडीला पाण्डेय के तत्कालीन ग्राम पंचायत अधिकारी सूरज प्रकाश यादव ने लौजरी गुड्स प्राइवेट लिमिटेड लखनऊ के अधिकृत विक्रेता पडरौना के छावनी मुहल्ले में स्थित राधाकृष्ण इंटरप्राइजेज को बीते 24 मार्च 2025 को फर्म के खाता संख्या 9710002 0001575 में ग्राम पंचायत के खाता संख्या 40383236 500 से कुल 1,64800 का भुगतान कूड़ा गाड़ी आपूर्ति के लिए दिया गया था लेकिन फर्म द्वारा अभी तक कूड़ा गाड़ी नही दिया गया है। वही ग्राम पंचायत द्वारा बार–बार आग्रह करने के बावजूद फर्म द्वारा कूड़ा गाड़ी उपलब्ध कराना तो दूर संपर्क करने पर फर्म के जिम्मेदार घुड़की धमकी देते हुए अनुचित व्यवहार भी कर रहे थे ऐसी अवस्था में कूड़ा गाड़ी के अभाव में ग्राम पंचायत से कूड़े का उठान नहीं हो पा रहा है। परेशान ग्राम पंचायत अधिकारी व ग्राम प्रधान द्वारा इस प्रकरण में जिलाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग किए थे। जिसके क्रम में तुर्कपट्टी पुलिस ने उक्त फर्म के विरुद्ध मुकदमा अपराध संख्या 88ध्20 26 धारा 316(5) व 351(2) के तहत मुकदमा पंजीकृत कर मामले की जांच में जुट गई है।

लोजपा प्रतिनिधि मंडल पहुंचा विंध्यवासिनी धाम, दर्शन-पूजन के पश्चात संगठन विस्तार पर दिया जोर

मीरजापुर(आरएनएस)। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास का प्रतिनिधि मंडल शुक्रवार को विख्यात देवी धाम विंध्याचल पहुंचा। यहां महिला जिलाध्यक्ष सीमा सिंह के नेतृत्व में पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने विंध्यवासिनी धाम में दर्शन–पूजन किया। तत्पश्चात् संगठन विस्तार के मुद्दे पर विचार–विमर्श के साथ बैठक कर संगठन मजबूती पर मंथन हुआ। इस अवसर पर धर्मेंद्र मिश्रा, चिंतामणि मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव पांडे, विनीत कुमार पांडे, सपना भारती, मंडल महासचिव साधना सिंह, संतोष पांडा, बहादुर सिंह, कमलेश पांडे, रामसेवक पांडे, कृष्ण पांडे, मंडल सचिव कमलापुर दुबे सहित पार्टी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। पार्टी की महिला ईकाई की जिलाध्यक्ष सीमा सिंह ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ मां विंध्यवासिनी के दरबार में मत्था टेक उन्होंने संगठन की मजबूती, प्रदेश में शांति और जनसेवा के संकल्प के लिए प्रार्थना की। कहा कि विंध्यवासिनी धाम शक्ति और आस्था का केंद्र है। यहां दर्शन–पूजन से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होता है।

न्याय की कुर्सी से 'जमीन का सौदा', तहसीलदार चंदन शर्मा पर गंभीर आरोप

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद के कप्तानगंज तहसील में तैनात तहसीलदार चंदन शर्मा एक बार फिर आरोपों के घेरे में हैं। आरोप इतना संगीन है कि राजस्व विभाग की साख पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। तहसीलदार चंदन शर्मा पर लगे आरोप पर गौर करे तो उन्होंने करोड़ों रुपये कीमत की विवादित भूमि के मुकदमे में न्याय की कुर्सी को निजी सौदेबाजी का जरिया बना दिया। आरोप है कि तहसीलदार ने अपने पद और अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए विवादित जमीन के मुकदमे में एकपक्षीय फैसला दिया और बदले में उसी विवादित भूमि के हिस्से का बैनामा अपनी मां श्रीमती निर्मला शर्मा के नाम करा लिया। चौंकाने वाली बात यह है कि विवादित भूखंड का बैनामा होने के बाद महज 15 दिनों के भीतर नामांतरण आदेश भी पारित कर दिया गया, जबकि सामान्य परिस्थितियों में ऐसे मामलों में लंबी प्रक्रिया और जांच होती है। इससे यह संदेह और गहरा गया है कि पूरा खेल पहले से तय पटकथा के तहत खेला गया। बताया जाता है कि संबंधित भूमि को लेकर वर्षों से विवाद चल रहा था और मामला राजस्व न्यायालय में विचाराधीन था। आरोप है कि तहसीलदार चंदन शर्मा ने उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता–2006 में निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं को दरकिनार करते हुए अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर एक पक्षीय निस्तारण किया। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि जिस अधिकारी को निष्पक्ष न्याय करना था, वही स्वयं विवादित संपत्ति का लाभार्थी बन बैठा।इनसेट— फैसला भी अपना, फायदा भी अपना—स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि आरोपों में सच्चाई है तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि सरकारी कुर्सी का खुला दुरुपयोग और न्यायिक प्रक्रिया की हत्या है। तहसील परिसर से लेकर गांवों तक इस मामले की चर्चा जोरों पर है।

15 किलो अवैध गांजा के साथ तीन अभियुक्तगिरफ्तार, भेजे गए जेल

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद के पडरौना कोतवाली पुलिस ने थाना क्षेत्र से 15 किलो 529 ग्राम अवैध गांजा कीमत लगभग 02 लाख 70 हजार रूपये के साथ 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार को जेल भेज दिया है। कुशीनगर पुलिस द्वारा जनपद में अवैध मादक पदार्थ, द्रव्य के निष्कर्षण, परिवहन एवं बिक्री के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में 08 मई को पडरौना कोतवाली व स्वाट की संयुक्त पुलिस टीम ने पडरौना थाना क्षेत्र से 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर 15 किलो 529 ग्राम अवैध गांजा (कीमत लगभग 02 लाख 70 हजार रूपये बरामद किया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 255/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

महाराणा प्रताप जयन्ती पर आयोजन 9 को

बस्ती । राष्ट्र नायक महाराणा प्रताप के जयन्ती अवसर पर 9 मई शनिवार को दिन में 9 बजे अतिथियों द्वारा महाराणा प्रताप चौक सिविल लाइन्स पर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जायेगा।यह जानकारी देते हुये कार्यक्रम संयोजक पूर्व प्रमुख कृष्ण चन्द्र सिंह ने बताया कि महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर मार्ल्यापण के बाद पं. अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह में 10.30 बजे से संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। मुख्य वक्ता सांसद जगदम्बिका पाल और विशिष्ठ अतिथि के रूप में विधायक अजय सिंह के साथ ही अनेक विद्वान संगोष्ठी को सम्बोधित करेंगे।

18 साल से आईपीएल दिल्ली कैपिटल्स नहीं, डायरेक्टर का छलका दर्द, बताई नाकामी की वजह

दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव ने 18 साल से आईपीएल खिताब न जीत पाने पर दुख जताते हुए इस सीजन की नाकामी का कारण हर विभाग में निरंतरता की कमी को बताया है। उन्होंने कहा कि निर्णायक क्षणों में टीम के लगातार विफल होने और प्रमुख खिलाड़ियों के फॉर्म में न होने से प्लेऑफ की उम्मीदें खत्म हो गईं। दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव ने स्वीकार किया कि अठारह साल में आईपीएल खिताब नहीं जीत पाने का दुख है और उन्होंने इस सत्र की नाकामी के लिये हर विभाग में प्रदर्शन में निरंतरता के अभाव को दोषी ठहराया। इस सत्र में सातवीं हार के बाद दिल्ली की प्लेआफ की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई। दिल्ली और पंजाब किंग्स शुरूआत से खेल रही दो टीमें हैं जो अभी तक आईपीएल नहीं जीत सकी हैं।दिल्ली 2020 में फाइनल में पहुंची थी जहां उसे मुंबई इंडियंस ने पांच विकेट से हराया था। राव ने कहा ,'' अठारह साल से खिताब नहीं जीत पाने का दुख है। जब मैं अपने खेलने के दिनों को देखता हूं तो मैं हमेशा जीतना चाहता था। अब प्रशासन और कोचिंग में हूं तो काफी कुछ सीख रहा हूं।'' उन्होंने कहा ,'' मैं किसी एक विभाग के बारे में नहीं बोल सकता।अलग अलग मैचों में अलग अलग विभागों में हम नाकाम रहे। पंजाब के खिलाफ अच्छे रन बनाये लेकिन कैच छोड़े। कुछ मैचों में गेंदबाजों ने अच्छा किया तो बल्लेबाज नाकाम रहे।'' राव ने यह भी कहा ,'' मैच जीतने के लिये निर्णायक क्षणों में अच्छा प्रदर्शन करना होता है जो हम लगातार नहीं कर पाये। यही वजह है कि अभी अंक तालिका में नीचे हैं।''कप्तान अक्षर पटेल और स्पिनर कुलदीप यादव के खराब फॉर्म ने दिल्ली की मुश्किलें बढाई। राव ने कहा ,'' कुलदीप और अक्षर अच्छे फॉर्म में होते हैं तो गेंदबाजी मजबूत होती है। एक अच्छा खेलता है और दूसरा नहीं तो बीच के ओवरों में गेंदबाजी कमजोर होती है। हम अभी इसी से जूझ रहे हैं।

टी20 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर संजू सैमसन भारतीय क्रिकेट टीम के अगले कप्तान बनने के प्रबल दावेदार

टी20 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर संजू सैमसन भारतीय क्रिकेट टीम के अगले कप्तान बनने के प्रबल दावेदार हैं, जहाँ चयनकर्ता उनकी नेतृत्व क्षमता से प्रभावित हैं। सूर्यकुमार यादव की खराब फॉर्म और श्रेयस अय्यर की टीम से अनुपस्थिति के कारण सैमसन को इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे पर यह बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। पिछले कुछ महीनों में शानदार प्रदर्शन के चलते संजू सैमसन भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की कप्तानी संभालने के प्रबल दावेदार के रूप में उभरे हैं। जागरण की एक रिपोर्ट के अनुसार, अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की चयन समिति सैमसन की निरंतरता, धैर्य और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नेतृत्व क्षमता से बेहद प्रभावित है। संजू सैमसन ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई और शुरुआती मैचों में न खेलने के बावजूद उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार मिला। गौतम गंभीर की अगुवाई वाली टीम प्रबंधन ने शुरुआत में अभिषेक शर्मा और ईशान किशन को प्राथमिकता दी

थी, इसलिए विकेटकीपर–बल्लेबाज सैमसन को नजरअंदाज कर दिया गया था। हालांकि, प्लेइंग इलेवन में वापसी के बाद, सैमसन ने दबाव में रहते हुए वेस्ट इंडीज के खिलाफ करो या मरो के मुकाबले में नाबाद 97 रनों की मैच–विनिंग पारी खेली। इसके बाद उन्होंने नॉकआउट चरण में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड दोनों के खिलाफ 89 रनों की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं।खबरों के मुताबिक, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का मौजूदा सीजन खत्म होने के बाद आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए सैमसन को कप्तानी सौंपी जा सकती है। अगर चयनकर्ता तत्काल कप्तानी में बदलाव नहीं करने का फैसला करते हैं, तो मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव अस्थायी रूप से कप्तानी जारी रख सकते हैं, हालांकि उनके हालिया फॉर्म पर सवाल उठ रहे हैं। सूर्यकुमार ने आईपीएल 2026 में काफी संघर्ष किया है, 10 मैचों में उन्होंने सिर्फ 195 रन बनाए हैं, जिनका औसत 19.52 है। टी20 विश्व कप में अमेरिका के खिलाफ एक उल्लेखनीय पारी को छोड़कर उनके निराशाजनक प्रदर्शन ने कप्तानी में बदलाव को लेकर चर्चाओं को और तेज कर दिया है।इस बीच, श्रेयस अय्यर को भी कप्तानी के संभावित विकल्प के प में देखा जा रहा था, लेकिन खबरों के मुताबिक दिसंबर 2023 से भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम से उनकी अनुपस्थिति उनके लिए नुकसानदायक साबित हुई है। चयनकर्ताओं का मानना ध्है कि कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपने से पहले अय्यर को टीम में अपनी जगह पक्की करनी होगी। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए सैमसन का शानदार आईपीएल प्रदर्शन, जहां उन्होंने इस सीजन में कई शतकों के साथ पहले ही 400 रन का आंकड़ा पार कर लिया है,।

केकेआर के आलराउडर कैमरून का बड़ा बयान, चार ओवर की बॉलिंग के लिए पूरी तरह तैयार हूं

केकेआर के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने अपनी गेंदबाजी को लेकर कहा है कि वह पूरे चार ओवर डालने के लिए तैयार हैं, लेकिन टीम की संरचना के कारण उन्हें और अनुकूल रॉय को मिलकर ओवर करने होते हैं। ग्रीन ने अपनी भूमिका को स्पष्ट करते हुए कहा कि वह किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी करने और किसी भी चरण में गेंदबाजी करने में सहज हैं। कैमरन ग्रीन ने कहा कि वह आईपीएल 2026 में अपनी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए चार ओवर गेंदबाजी करने के लिए तैयार हैं और किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी करने के लिए आश्वस्त हैं। केकेआर ने लगातार चौथी जीत दर्ज करके टूर्नामेंट में शानदार वापसी की है। फिन एलन के नाबाद शतक की बदौलत केकेआर ने शुक्रवार को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में डीसी को आठ विकेट से

हराया। शुरुआती छह मैचों में बिना जीत के अभियान की शुरुआत करने के बावजूद, केकेआर अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। ग्रीन ने मैच में सिर्फ एक ओवर गेंदबाजी करते हुए नीतीश राणा का विकेट लिया और 33 रनों का योगदान देकर अपनी टीम को जीत दिलाई। ग्रीन ने केकेआर के लिए शुरुआती दो मैचों में पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण गेंदबाजी नहीं की थी। गेंदबाजी में वापसी से पहले उन्होंने शुरुआती मैचों में एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेला था। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में ग्रीन ने अपनी गेंदबाजी भूमिका और बल्लेबाजी क्रम के बारे में बात की और नीलामी में अपनी कीमत को लेकर पड़े दबाव पर भी प्रकाश डाला।अपनी गेंदबाजी की भूमिका के बारे में बात करते हुए ग्रीन ने कहा कि मैं चार ओवर गेंदबाजी करने के लिए पूरी तरह तैयार हूं। मुझे लगता है कि हमारी टीम की संरचना ऐसी है कि हमारे पास अनुकूल रॉय हैं, जो हमारे लिए असाध ।ारण प्रदर्शन कर रहे हैं और एक या दो ओवर गेंदबाजी करते हैं। इसका मतलब है कि मैं केवल दो या तीन ओवर ही गेंदबाजी कर सकता हूं, जो हमारे लिए बहुत मददगार साबित हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि बाएं हाथ के ऑलराउंडर का होना मध्य ओवरों में गेंदबाजी करने में सहायक है और मैं पावर प्ले में, डेथ ओवरों में या मध्य ओवरों में भी गेंदबाजी कर सकता हूं। इसलिए, मुझे लगता है कि हमारी टीम की संरचना ही ऐसी है कि हमारे पास छह गेंदबाज हैं जिन पर हम निर्भर रह सकते हैं और जाहिर है, अनुकूल और मैं ऑलराउंडर हैं। इसलिए, हम एक–दूसरे की मदद करते हैं और अपने चार ओवर गेंदबाजी करते हैं। अपना तीसरा आईपीएल सीजन और केकेआर के लिए पहला सीजन खेल रहे ग्रीन ने इस सीजन में अब तक 232 रन बनाए हैं और गेंद से चार विकेट भी लिए हैं।

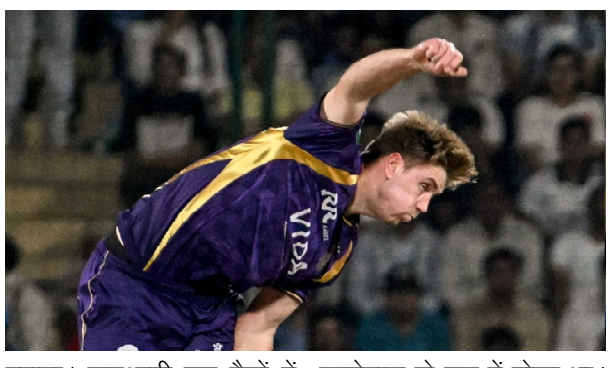

मैदान के बाद टैक्स भरने में भी एमएस धोनी की बादशाहत, बिहार झारखंड में बने नंबर 1

पूर्व भारतीय कप्तान एमएस ध ोनी एक बार फिर बिहार और झारखंड के सबसे बड़े व्यक्तिगत करदाता बने हैं, जहां वित्तीय वर्ष 2025–26 में कुल कर संग्रह रिकॉर्ड 20,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। आयकर विभाग ने इस उपलब्धि की पुष्टि की है, जिसमें झारखंड का योगदान अकेले 12,000 करोड़ रुपये रहा। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने बिहार और झारखंड के संयुक्त क्षेत्रों में सबसे अधिक व्यक्तिगत करदाता के रूप में अपना स्थान एक बार फिर बरकरार रखा है। यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है जब स्थानीय अधिकारियों ने राजकोषीय योगदान में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जिसके चलते 2025–26 वित्तीय वर्ष के दौरान कुल क्षेत्रीय राजस्व संग्रह लगभग 20,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

बिहार और झारखंड के प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त डॉ. डी. सुधाकरा राव ने गुरुवार को एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान इन आंकड़ों का विस्तृत विवरण प्रदान किया। राव ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान बिहार और झारखंड से कुल संग्रह लगभग 20,000 करोड़ रुपये था, जिसमें से 12,000 करोड़ रुपये केवल झारखंड से एकत्र किए गए थे। हालांकि कमिश्नर ने इस बात की पुष्टि की कि रांची के इस क्रिकेटर ने कर संग्रह में शीर्ष स्थान हासिल किया है, लेकिन उन्होंने हाल के समय में इस दिग्गज खिलाड़ी द्वारा जमा किए गए सटीक आंकड़ों के बारे में पेशेवर गोपनीयता बनाए रखी।राव ने कहा कि एमएस धोनी पिछले वित्तीय वर्ष में बिहार और झारखंड दोनों राज्यों को मिलाकर सबसे अधिक व्यक्तिगत करदाता थे, हालांकि उन्होंने क्रिकेटर के कुल कर संग्रह का खुलासा करने से स्पष्ट रूप से परहेज किया। कुल राजस्व का एक बड़ा हिस्सा पारंपरिक औद्योगिक क्षेत्रों से प्राप्त हुआ। अधिकारियों ने पुष्टि की कि कुल संग्रह का लगभग 70 प्रतिशत स्रोत पर कर कटौती के माध्यम से प्राप्त हुआ।सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड और सीएमपीडीआई को कॉर्पोरेट संस्थाओं में सबसे अधिक करदाता के रूप में पहचाना गया।

फिन एलेन के तूफानी शतक से कोलकाता की विराट जीत, दिल्ली कैपिटल्स प्लेआफ की दौड़ से लगभग बाहर

पहले गेंदबाजी करते हुए केकेआर ने दिल्ली को आठ विकेट पर 142 रन पर रोक दिया था। जवाब में जीत का लक्ष्य 14.2 ओवर में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया जिसमें 'इंपैक्ट सब ' एलेन ने 47 गेंद में पांच चौकों और दस छक्कों की मदद से नाबाद सौ रन बनाये। इंडियन प्रीमियर लीग (प्ब्स्) के 19वें सीजन में शुक्रवार को ईडन गार्डन्स के मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (ज्ञ्ञत) ने श्करो या मरोश के मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स (क्ब्) को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत के हीरो रहे श्इंपैक्ट प्लेयरश फिन एलेन, जिन्होंने महज 47 गेंदों में नाबाद शतक जड़कर अपनी टीम की प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखा है। पहले गेंदबाजी करते हुए केकेआर ने दिल्ली को आठ विकेट पर 142 रन पर रोक दिया था। जवाब में जीत का लक्ष्य 14.2 ओवर में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया जिसमें 'इंपैक्ट सब ' एलेन ने 47 गेंद में पांच चौकों और दस छक्कों की मदद से नाबाद सौ रन बनाये।एलेन ने मुकेश कुमार को छक्का लगाकर तिहरे अंक को छुआ और टीम को जीत भी दिलाई। इस जीत के बाद केकेआर दस मैचों में नौ अंक लेकर सातवें स्थान पर पहुंच गई है जबकि दिल्ली 11 मैचों में आठ अंक लेकर आठवें स्थान पर है और प्लेआफ की दौड़ से लगभग बाहर है। पहले बल्लेबाजी के लिये भेजी गई दिल्ली के बल्लेबाजों ने एक बार फिर निराश किया और पाथुम निसांका (29 गेंद में 50 रन) तथा सातवें नंबर पर उतरे आशुतोष शर्मा (28 गेंद में 39) को छोड़कर कोई टिककर नहीं खेल सका। बीच के ओवरों में एक बार छह ओवर से अधिक कोई बाउंड्री नहीं लगी और आखिरी ओवर में भी तीन ही रन बने। केकेआर के लिये नारायण ने चार ओवर में 17 रन देकर एक विकेट लिया।वरूण चक्रवर्ती ने चार ओवर में 28 रन दिये जबकि अनुकूल रॉय ने 31 रन देकर दो विकेट चटकाये। तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी ने चार ओवर में 25 रन देकर दो विकेट लिये। केकेआर की शुरूआत भी अच्छी नहीं रही और तीसरे ओवर में कप्तान अजिंक्य रहाणे दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से रन आउट हो गए। मिचेल स्टार्क की इनस्विंग यॉर्कर पर एलेन ने स्ट्रेट शॉट खेला और गेंदबाज के हाथ से टकराकर गेंद स्टम्प पर चली गई जब रहाणे क्रीज से बाहर थे। अगले ओवर में अंगकृष रघुवंशी को अक्षर पटेल ने बोल्ड कर दिया। पावरप्ले में केकेआर का स्कोर दो विकेट पर 43 रन था।एलेन ने सातवें ओवर में विपराज निगम को चौका और स्ट्रेट में 92 मीटर का छक्का लगाया। खराब फॉर्म से जूझ रहे स्पिनर कुलदीप यादव आठवें ओवर में आये जिन्हें एलेन ने एक छक्का और एक चौका जड़ा। उन्होंने स्टार्क को छक्का लगाकर अपना अर्धशतक 32 गेंद में पूरा किया। कुलदीप को 12वें ओवर में एलेन और कैमरन ग्रीन ने डीप मिडविकेट पर छक्के लगाये। अगले ओवर में निगम को लगातार तीन छक्के लगाकर एलेन ने शतक की ओर कदम रख दिया।इससे पहले दिल्ली को निसांका और राहुल ने अच्छी शुरूआत दी और ढीली गेंदों को नसीहत देते रहे। निसांका ने दूसरे ही ओवर में वैभव

अरोड़ा को छक्का लगाकर अपने तेवर जाहिर कर दिये और अगले ओवर में अनुकूल रॉय की गेंद को भी सीमा के पार पहुंचाया। नारायण चौथे ओवर में गेंदबाजी के लिये आये लेकिन राहुल और निसांका ने चौकों के साथ उनका स्वागत किया। वेस्टइंडीज के इस अनुभवी स्पिनर के पहले ओवर में 11 रन बने। तेज गेंदबाज त्यागी को राहुल ने पांचवें ओवर में दो चौके लगाये लेकिन आखिरी गेंद पर विकेट गंवा बैठे। गेंद पूरी तरह से बल्ले पर नहीं आई और हवा में खेले गए शॉट पर कैमरन ग्रीन ने कैच लपक लिया। आईपीएल के इस सत्र में शानदार फॉर्म में चल रहे राहुल ने 14 गेंद में चार चौकों की मदद से 23 रन बनाये। पावरप्ले में दिल्ली का स्कोर एक विकेट पर 55 रन था लेकिन इसके बाद अगले छह ओवर में सिर्फ 36 रन बने और चार विकेट गिर गए। बीच के ओवरों में केकेआर के गेंदबाजों खासकर स्पिनरों ने दिल्ली के बल्लेबाजों को बांधे रखा। निसांका ने आठवें ओवर में ग्रीन को फाइन लेग के ऊपर से 73 मीटर का शानदार छक्का लगाया। दूसरे छोर पर नीतिश राणा टिककर खेल नहीं सके और आठ रन बनाकर नारायण को कैच देकर लौटे। वरूण ने नौवें ओवर में सिर्फ तीन रन दिये।समीर रिजवी (तीन) नारायण को स्वीप शॉट खेलने के प्रयास में डीप मिडविकेट पर रोवमैन पावेल को कैच दे बैठे। इस बीच निसांका ने दसवें ओवर में रॉय को एक्स्ट्रा कवर पर चौका लगाकर अपना अर्धशतक 29 गेंदों पर पूरा किया जिसमें पांच चौके और तीन छक्के शामिल थे। वह हालांकि अगली गेंद पर आगे बढकर खेलने के प्रयास में चूके और विकेट के पीछे अंगकृष रघुवंशी ने स्टम्पिंग करने में कोई चूक नहीं की। दिल्ली के बल्लेबाजों पर दबाव का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि तेरहवें से सोलहवें ओवर के बीच में सिर्फ दस रन बने। रॉय ने 13वें ओवर में चार रन दिये जबकि वरूण , त्यागी और नारायण ने इसके बाद के ओवरों में दो दो रन ही दिये। आशुतोष शर्मा ने 38 गेंद बाद बाउंड्री लगाते हुए 17वें ओवर में वरूण को छक्का लगाकर इस दबाव को कम किया। इस ओवर में दो चौके और जड़ते हुए उन्होंने 16 रन निकाले। आशुतोष ने अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए त्यागी को डीप थर्डमैन पर दर्शनीय छक्का लगाया।

सेबी का बड़ा फैसला इन्वेस्टर एजुकेशन के लिए अब 30 दिन पुराने शेयर बाजार डेटा का होगा इस्तेमाल

बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को नियमों में संशोधन करते हुए निवेशक जागरूकता और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए शेयर मूल्य आंकड़ा साझा करने पर 30 दिन की एकसमान समय–सीमा तय की। इसका मतलब है कि अब 30 दिन पुराने शेयर मूल्य आंकड़ों का उपयोग किया जा सकेगा। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (ैम्ठप्) ने शुक्रवार को निवेशक जागरूकता और शैक्षणिक गतिविधियों (Investor Education) से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। सेबी ने अब शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए शेयर मूल्य डेटा साझा करने के लिए 30 दिन की एकसमान समय–सीमा (Uniform Timeline) तय कर दी है। यह नया नियम 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी होगा। इस कदम का मुख्य उद्देश्य बाजार के रियल–टाइम डेटा के दुरुपयोग को रोकना और साथ ही शैक्षणिक सामग्री की प्रासंगिकता बनाए रखना है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक परिपत्र में कहा कि यह नयी रूपरेखा एक जुलाई से प्रभावी होगी। इसका उद्देश्य बाजार आंकड़ों के दुरुपयोग को रोकने और शैक्षणिक सामग्री को प्रासंगिक बनाए रखने के बीच संतुलन बनाना है। सेबी ने मई, 2024 में शेयर बाजारों द्वारा 'लाइव' बाजार आंकड़ों के उपयोग को केवल कारोबार और उससे जुड़े कार्यों तक ही सीमित कर दिया था और शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए एक दिन की देरी के साथ आंकड़ा उपयोग की अनुमति दी थी। जनवरी, 2025 में नियम को और भी सख्त करते हुए केवल शैक्षणिक गतिविधियों में लगे संस्थानों के लिए ही तीन महीने पुराने आंकड़ों के उपयोग की शर्त लागू की गई थी। मौजूदा व्यवस्था में शैक्षणिक संस्थान सामग्री तैयार करने के लिए एक दिन की देरी वाला आंकड़ा प्राप्त कर सकते थे, लेकिन कक्षाओं या अन्य माध्यमों में उपयोग के लिए तीन महीने पुराने आंकड़ें तक ही सीमित थे। सेबी ने कहा कि आंकड़ों में एक दिन की देरी इसके दुरुपयोग की आशंका को पूरी तरह कम नहीं कर पाती थी, जबकि तीन महीने की देरी से शैक्षणिक सामग्री की प्रासंगिकता प्रभावित होती थी। इस सुझाव के आधार पर अब आंकड़ों के साझा करने और उपयोग दोनों के लिए ही 30 दिन की समान देरी तय की गई है। हालांकि, राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान (एनआईएसएम) को सिमुलेशन लैब में उपयोग के लिए एक दिन की देरी के साथ बाजार मूल्य आंकड़ों तक पहुंच मिलती रहेगी।

बिहार के लीची किसानों को बड़ी राहत स्टिंक बग के हमले की जांच के लिए केंद्र ने बनाया एक्सपर्ट टास्क फोर्स

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार ने बिहार में कीट हमले से लीची की फसलों को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए विशेषज्ञों का एक कार्यबल गठित किया है। यह कार्यबल बिहार के लीची किसानों की शिकायतों के बाद गठित किया गया है। बिहार के विश्व प्रसिद्ध लीची बागानों पर मंडरा रहे कीटों के खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को घोषणा की कि बिहार में लीची की फसलों को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए विशेषज्ञों का एक विशेष कार्यबल (जें थ्वतबम) गठित किया गया है। यह निर्णय बिहार के किसानों की उन शिकायतों के बाद लिया गया है, जिनमें इस साल 'स्टिंक बग' (ैजपदा ठनह) नामक कीट के कारण फसल को भारी नुकसान होने की बात कही गई थी।शिकायतों में 'स्टिंक बग' के कारण लीची की फसल को नुकसान होने की बात कही गई है। दल प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेगा, नुकसान की सीमा का आकलन करेगा और किसानों को राहत देने के लिए तात्कालिक एवं दीर्घकालिक उपायों की सिफारिश करेगा।चौहान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' दल एक सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट सौंपेगा ताकि समय पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कार्यबल राज्य एवं केंद्र दोनों स्तरों पर आवश्यक हस्तक्षेपों के बारे में भी सलाह देगा। सरकार,

किसानों के हितों की रक्षा के लिए ''पूरी संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता'' के साथ काम कर रही है। बिहार भारत का प्रमुख लीची उत्पादक राज्य है। मुजफ्फरपुर की शाही लीची देश की सबसे मूल्यवान किस्मों में से एक है जिसे 2018 में भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग मिला था।राज्य और केंद्र का साझा प्रयास कृषि मंत्री ने स्पष्ट किया कि टास्क फोर्स केवल नुकसान का आकलन ही नहीं करेगी, बल्कि राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर किए जाने वाले आवश्यक हस्तक्षेपों के बारे में भी सलाह देगी। इससे बिहार के लीची उद्योग को संकट से उबारने और किसानों की आय सुरक्षित करने में मदद मिलेगी। विशेषज्ञों की रिपोर्ट आने के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि केंद्र सरकार बिहार के प्रभावित किसानों के लिए विशेष राहत पैकेज या तकनीकी सहायता की घोषणा कर सकती है।

तीन-तीन सुंदर हीरोइन्स के फेर में उलझे आयुष्मान खुराना, पति पत्नी और वो दो का ट्रेलर रिलीज, 15 मई को आएगी फिल्म

आयुष्मान खुराना एक बार फिर बड़े पर्दे पर अपनी जिंदगी की खलबली लेकर लौट आए हैं। बहुप्रतीक्षित फिल्म पति पत्नी और वो दो का मजेदार ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसमें आयुष्मान 1–2 नहीं, बल्कि 3–3 हसीनाओं के बीच बुरी तरह फंसे नजर आ रहे हैं। प्यार, शादी और जबरदस्त उलझनों से भरा ये ट्रेलर देख दर्शक खूब ठहाके लगा रहे हैं। फिल्म में आयुष्मान के साथ सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह नजर आएंगी।

बॉलीवुड में एक बार फिर पति की मुसीबतों वाली कहानी की वापसी हुई है। गानों और टीजर के जरिए माहौल बनाने के बाद अब पति पत्नी और वो दो का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म की कहानी प्रजापति पांडे (आयुष्मान) के इर्द–गिर्द घूमती है, जिनकी जिंदगी में एक पत्नी और एक नहीं, बल्कि 2–2 प्रेमिकाएं हैं। इस कन्फ्यूजन और अफरा–तफरी से प्रजापति कैसे बाहर निकलेंगे, यही फिल्म की मुख्य कहानी है। मुदस्सर अजीज, जिन्होंने पति पत्नी और वो और मेरे हस्बैंड की बीवी जैसी फिल्मों से अपनी खास पहचान बनाई है, एक बार फिर अपनी चिर–परिचित शैली में लौट आए हैं। इस बार भी उन्होंने एक ऐसी कहानी बुनी है, जहां हीरो महिलाओं के चक्कर में बुरी तरह फंसा हुआ है। फिल्म में विजय राज, तिग्मांशु धूलिया और दुर्गेश कुमार जैसे कलाकार भी हैं। टी–सीरीज और बीआर स्टूडियोज के बैनर तले बनी ये फिल्म 15 मई, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी।

बता दें कि पति पत्नि और वो नाम की पहली फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे ने लीड रोल निभाया था। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी और लोगों को खूब पसंद आई थी। बॉक्स ऑफिस पर सफलता के बाद अब इसी तरह की एक और फिल्म रिलीज के लिए तैयार है। 15 मई को रिलीज होने वाली इस फिल्म से मेकर्स को अच्छी उम्मीदें हैं। अब देखना होगा कि क्या ये फिल्म भी कमाई के मामले में कुछ कमाल कर पाती है या नहीं। ट्रेलर रिलीज होते ही फैन्स का भी इंतजार खत्म हो गया है। फिल्म के ट्रेलर में इसकी कहानी की भी झलक देखने को मिल रही है। फिल्म में दमदार कॉमेडी देखने को मिलने वाली है।

नानी की द पैराडाइज 2 भागों में होगी रिलीज? निर्माताओं ने दी ये प्रतिक्रिया

साउथ सुपरस्टार नानी की फिल्म द पैराडाइज को देखने का इंतजार बढ़ गया है। हाल ही में, निर्माताओं ने इसकी नई रिलीज तारीख का आधिकारिक ऐलान किया, जो 21 अगस्त, 2026 है। दरअसल, पहले इसे मार्च, 2026 में रिलीज होना था, जिससे इसकी टक्कर रणवीर सिंह की धुरंधर 2 और यश की टॉक्सिक से होने की संभावना थी। इस बदलाव के बीच द पैराडाइज के 2 भागों में रिलीज होने की चर्चा थी, जिसपर निर्माताओं ने प्रतिक्रिया दी है। रिपोर्ट के हवाले से बताया, द पैराडाइज के निर्माताओं ने पुष्टि की है कि वह इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को स्टैंडअलोन के रूप में रिलीज करेंगे। मतलब यह कि फिल्म को कोई सीक्वल नहीं होगा। इसे एक स्वतंत्र प्रोडक्शन के रूप में रिलीज किया जाएगा, इसका किसी अन्य प्रोजेक्ट से कोई संबंध नहीं होगा। बताया जाता है कि निर्माताओं ने फिल्म के भविष्य को लेकर उत्सुक एक प्रशंसक के सवाल पर यह स्पष्टीकरण दिया है। द पैराडाइज का निर्देशन श्रीकांत ओडेला ने किया है जिसमें मुख्य अभिनेता के अलावा, राघव जुयाल, मोहन बाबू, तनिकेला भरानी, सोनाली कुलकर्णी, संपोर्नेश बाबू और ईश्वरी राव जैसे सितारे दिखेंगे। निर्माताओं का दावा है कि यह एक हाई–ऑक्टेन एक्शन फिल्म होगी। इसकी कहानी एक वंचित समूह के इर्द–गिर्द घूमेगी जो अपने अधिकारों के लिए सत्ता को चुनौती देता है। बता दें, नानी आखिरी बार फिल्म हिट द थर्ड केस में नजर आए थे जो मई, 2025 में रिलीज हुई थी।

हर वक्त फैसले लेना थका देता है, मीरा राजपूत ने महिलाओं के मानसिक सुकून पर कही दिल की बात

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएं कई भूमिकाएं निभाती हैं। ऐसे में मानसिक थकान और दबाव महसूस करना स्वाभाविक है। इसी विषय पर बात करते हुए मीरा राजपूत कपूर ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि महिलाओं को कभी–कभी हर छोटी–बड़ी जिम्मेदारी और फैसलों से दूर होकर खुद के लिए समय निकालना चाहिए, ताकि वे मानसिक रूप से हल्का महसूस कर सकें। मीरा राजपूत ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने मायके में बिताए समय के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, अपने माता–पिता के घर पर रहना एक अलग तरह का सुकून देता है। मायके में मैं खुद को ज्यादा सहज महसूस करती हूं। यहां मुझे किसी तरह का दबाव महसूस नहीं होता। वीडियो में मीरा आगे कहती हैं, काफी समय बाद मैं इस तरह खुलकर अपने मन की बात साझा कर रही हूं। जब मैं अपनी मां के घर पर थी, तब मुझे एहसास हुआ कि कुछ जगहें और रिश्ते ऐसे होते हैं, जो हमें बिना किसी शर्त के सुकून देते हैं। इस अनुभव को शब्दों में पूरी तरह बयां करना मुश्किल है।मीरा ने कहा, महिलाओं को हर समय फैसले लेने की जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। दिनभर उन्हें यह तय करना होता है कि घर में क्या बनेगा, कौन कहां जाएगा, कौन सा काम पहले करना है और कौन सा बाद में। यह लगातार चलने वाली प्रक्रिया उन्हें मानसिक रूप से थका देती है। जब कुछ समय के लिए कोई उनसे कुछ नहीं पूछता, तो दिमाग को बहुत राहत मिलती है।उन्होंने आगे कहा, महिलाएं सिर्फ फैसले ही नहीं लेतीं, बल्कि हर दिन कई विकल्पों में से सही चुनाव भी करती हैं। यह जिम्मेदारी बहुत बड़ी होती है और इसका असर मानसिक स्थिति पर पड़ता है। जब किसी महिला को कुछ समय के लिए इन सभी फैसलों और जिम्मेदारियों से छुटकारा मिलता है, तो उसे एक अलग ही तरह की शांति और सुकून महसूस होता है। यही वह समय होता है, जब वह खुद को फिर से ऊर्जा से भर पाती है।

मीरा ने महिलाओं को सलाह देते हुए कहा, समय–समय पर खुद को ब्रेक देना बहुत जरूरी है। अगर संभव हो, तो कुछ समय के लिए फोन बंद कर देना चाहिए और सिर्फ उस पल को जीने की कोशिश करनी चाहिए। ऐसा करने से मन हल्का होता है और हम अपने आसपास की चीजों को ज्यादा गहराई से महसूस कर पाते हैं। उन्होंने कहा, जीवन के छोटे–छोटे पल ही असली खुशी देते हैं। जैसे बच्चों को खेलते हुए देखना, माता–पिता के साथ बिना किसी काम के समय बिताना, उनके साथ टहलना या हंसना, ये सभी चीजें हमें अंदर से खुश करती हैं। जब हम इन पलों को बिना किसी चिंता के जीते हैं, तब हमें असली सुकून मिलता है। वीडियो के आखिर में मीरा राजपूत ने कहा, महिलाएं अपने लिए ऐसी जगह, इंसान या माहौल जरूर ढूंढें, जहां उन्हें किसी तरह का दबाव महसूस न हो और जहां उन्हें फैसले लेने की जरूरत न पड़े। कभी–कभी खुद से कोई सवाल न पूछना और बस उस पल में जीना भी बहुत जरूरी होता है।

संजय दत्त की फिल्म आखिरी सवाल की बदल सकती है रिलीज तारीख

संजय दत्त की फिल्म आखिरी सवाल 8 मई को रिलीज होने के लिए तैयार थी, लेकिन अब ऐसा हो पाना असंभव लग रहा है। खबर है कि फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) की तरफ से रुकावट का सामना करना पड़ रहा है। पहले ट्रेलर 30 अप्रैल को रिलीज किया जाना था, लेकिन सेंसर बोर्ड की मंजूरी न मिलने के कारण योजना को स्थगित कर दिया गया। अब फिल्म भी सेंसर से हरी झंडी का इंतजार कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक सूत्र ने बताया, फिल्म की प्रकृति और कथानक ऐसा है कि सीबीएफसी के सदस्य सतर्क हैं। फिल्म निर्माताओं ने सीबीएफसी समिति को समझाया है कि उनकी फिल्म ऐतिहासिक घटनाओं और अभिलेखों पर आधारित है, इसलिए इसे रिलीज किया जाना चाहिए। फिल्म निर्माताओं और सीबीएफसी के बीच बातचीत में काफी समय लग गया। इसलिए, आखिरी सवाल के निर्माताओं को लग रहा है कि फिल्म को कुछ समय के लिए टाल देना ही समझदारी होगी। सूत्र ने आगे कहा, फिलहाल, फिल्म निर्माता 15 मई को फिल्म रिलीज करने पर विचार कर रहे हैं। बेशक, यह सेंसर की मंजूरी समय पर मिलने पर निर्भर करेगा। सभी बाधाएं दूर होते ही इस संबंध में जल्द ही घोषणा की जा सकती है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता अभिजीत मोहन वारंग द्वारा निर्देशित आखिरी सवाल आरएसएस के 100 साल के इतिहास से प्रेरित कहानी है। इसमें समीरा रेड्डी, अमित साध, नीतू चंद्र और त्रिधा चौधरी जैसे सितारे भी हैं।

सिटाडेल 2 से दिल जीतने आई प्रियंका चोपड़ा, इन फिल्मों-सीरीज से भी लूटी वाहवाही

प्रियंका चोपड़ा की कामयाबी के चर्चे पूरी दुनिया में गूंजते हैं। यही कारण है कि उनकी हर परियोजना का इंतजार फैंस बेसब्री से करते हैं। 6 मई को अभिनेत्री अपनी चर्चित हॉलीवुड वेब सीरीज सिटाडेल का दूसरा सीजन लेकर आई हैं। इस जासूसी–थ्रिलर का प्रीमियर अमेजन प्राइम वीडियो पर किया गया है, जिसमें रिचर्ड मैडेन भी मुख्य किरदार में हैं। आइए जानते हैं प्रियंका की पिछली हॉलीवुड फिल्मों–सीरीज के बारे में, जिन्होंने उन्हें विश्व स्तर पर पहचान दिलाई।टीवी सीरीज क्वांटिको को प्रियंका के करियर का सबसे बड़ा मील का पत्थर माना जाता है, क्योंकि इसने उन्हें विश्व स्तर पर कामयाबी दिलाने का काम किया। इस सीरीज में उन्होंने एलेक्स पैरिश नाम की एक तेज–तर्रार एफबीआई का रोल निभाया है। उनका अभिनय इतना शानदार रहा कि लगातार 2 साल उन्होंने इसके लिए पीपुल्स चॉइस पुरस्कार जीता। यही नहीं, प्रियंका पहली दक्षिण एशियाई अभिनेत्री बन गईं, जिसने किसी बड़े अमेरिकी टीवी नेटवर्क के शो में मुख्य भूमिका निभाई।प्राइम वीडियो पर सिटाडेल का पहला सीजन साल 2023 में आया था। यह जासूसी थ्रिलर सीरीज है, जिसमें प्रियंका ने नादिया सिंह का रोल निभाया है, जो सिटाडेल की एक एलीट जासूस है। गेम ऑफ थ्रोन्स वाले अभिनेता रिचर्ड मैडेन भी सीरीज में मुख्य किरदार में हैं। 6 एपिसोड वाली इस सीरीज में, प्रियंका ने अपने अभिनय से ग्लोबल स्तर पर कामयाबी हासिल की। खबरों के मुताबिक, सिटाडेल में उन्होंने करीब 80 प्रतिशत स्टंट खुद किए हैं। 2025 में आई एक्शन–कॉमेडी फिल्म हैड्स ऑफ स्टेट भी प्रियंका के हॉलीवुड करियर में चार चांद लगाने का काम कर चुकी है। इसमें उनके साथ जॉन सीना और इड्रिस एल्बा भी नजर आए थे। यह एक बडी–कॉप फिल्म है, जिसमें कॉमेडी के साथ–साथ हाई–ऑक्टेन एक्शन दृश्य हैं। फिल्म द ब्लफ में, प्रियंका ने पिछले जासूसी किरदारों से बिल्कुल अलग किरदार निभाया है। पूर्व महिला समुद्री डाकू के किरदार में वह तलवारबाजी और पुराने हथियारों का इस्तेमाल करते नजर आईं हैं।

राजा शिवाजी का ताबड़तोड़ कलेक्शन जारी, 50 करोड़ के करीब पहुचे रितेश देशमुख

रितेश देशमुख द्वारा अभिनीत और निर्देशित ऐतिहासिक फिल्म राजा शिवाजी कारोबारी दिनों में बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूत पकड़ बना चुकी है। इसने 1 मई को सिनेमाघरों का रुख किया था और इसे हिंदी के साथ–साथ मराठी भाषा में रिलीज किया गया है। दोनों ही भाषाओं में फिल्म हर दिन धाकड़ कमाई कर रही है और 50 करोड़ के क्लब में शामिल होने से कुछ दूर है। दूसरी ओर इसके साथ रिलीज हुई फिल्म एक दिन का बुरा हाल है।सैकनिल्क के मुताबिक, रितेश अभिनीत राजा शिवाजी ने 5वें दिन 4.90 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। इसमें हिंदी संस्करण से 1.55 करोड़ और मराठी संस्करण से 3.35 करोड़ रुपये शामिल है। इस कमाई के साथ फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 5 दिनों में कुल 44.40 करोड़ रुपये कमा चुकी है। अब इसका लक्ष्य 50 करोड़ के क्लब में अपनी जगह बनाना है। इस पीरियड ड्रामा में जेनेलिया डिसूजा, संजय दत्त, विद्या बालन, अभिषेक बच्चन और भाग्यश्री जैसे सितारे हैं।साई पल्लवी और जुनैद खान की फिल्म एक दिन भी 1 मई को रिलीज हुई थी, लेकिन पहले हफ्ते में कमाई बेहाल होकर लाखों रुपये में सिमट गई है। फिल्म ने 5वें दिन कुल 28 लाख रुपये कमाए हैं। अब तक यह बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 3.51 करोड़ रुपये बटोर पाई है। वहीं 17 अप्रैल को रिलीज अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला ने 19वें दिन 2.25 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसका कुल कलेक्शन 1,46.50 करोड़ रुपये हो गया है।

गोल्डन साड़ी में काजल अग्रवाल ने बिखेरा जलवा, ग्रेस और ग्लैमर का दिखा परफेक्ट कश्म्बिनेशन

एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने एक बार फिर अपने स्टाइल और ग्रेस से फैंस का दिल जीत लिया है. हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की है, जिनमें उनका एलिगेंट और ग्लैमरस अंदाज देखने को मिला रहा है. ट्रेडिशनल साड़ी को मॉडर्न टच के साथ कैरी करते हुए काजल ने फैंस को एक नया फैशन इंस्पिरेशन दिया है. उनका ये लुक ना सिर्फ क्लासी है, बल्कि शादी या फेस्टिव मौके के लिए भी परफेक्ट ऑप्शन है.काजल ने गोल्डन शिमरी साड़ी पहनी है, जिसमें हल्की चमक उनके पूरे लुक को रॉयल टच दे रही हैं. उन्होंने हाई–नेक, फुल स्लीव्स वाला एम्ब्रॉयडरी ब्लाउज कैरी किया है, जो बहुत ही डिटेल्ड और स्टाइलिश लग रहा है.

साड़ी को उन्होंने बहुत सलीके से ड्रेप किया है, जिससे उनका फिगर और भी एन्हांस हो रहा है. बालों को उन्होंने जूड़ा में बांधा है, जिससे उनका लुक क्लीन और एलिगेंट दिख रहा है. न्यूड मेकअप के साथ सॉफ्ट आई मेकअप और हल्के लिप शेड ने उनके चेहरे की नैचुरल ब्यूटी को हाइलाइट किया है. उन्होंने मिनिमल ज्वेलरी पहनी है, जिसमें छोटे ईयररिंग्स ओवरऑल लुक को बैलेंस कर रहे हैं. उनका पूरा लुक ट्रेडिशनल और मॉडर्न का परफेक्ट मिक्स है, जो उन्हें ग्रेसफुल और क्लासी बना रहा है.।

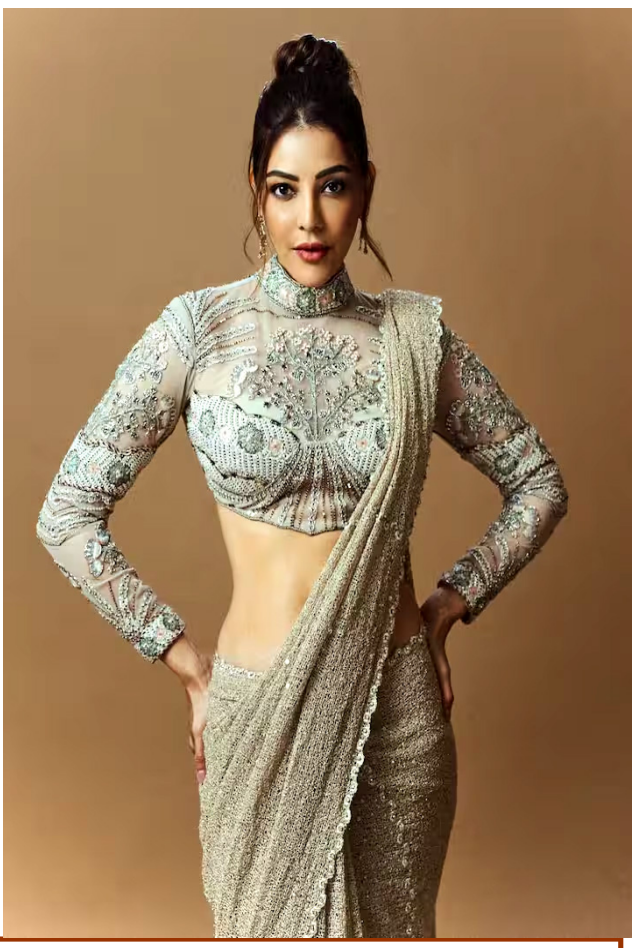

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।